दैनिक
बुलन्द मंज़िल
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...
वर्ष : 01 | अंक : 130 | संभल, बुधवार 22 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...
पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

पश्चिम बंगाल में गरजे अमित शाह

बोले- दीदी का समय अब खत्म हो गया, अब बीजेपी की बारी

पश्चिम बंगाल। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनका समय अब खत्म हो गया है" और जोर देकर कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में अगली सरकार बीजेपी ही बनाएगी। पश्चिम मेदिनीपुर के चांदीपुर में दिन की अपनी आखिरी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि यह चुनाव के पहले चरण की आखिरी रैली है। मैं चांदीपुर से दीदी को कहना चाहता हूँ, 'टाटा, बाय-बाय। आपका समय अब खत्म हो गया है! आपने बंगाल के लोगों को बहुत परेशान किया है। अब आपके जाने का और बीजेपी के आने का समय आ गया है। उन्होंने आगे दावा किया कि वोटों की गिनती के बाद इखढ की जीत पक्की है। उन्होंने कहा कि आज मैं घुसपैठियों से कहना चाहता हूँ कि 4 तारीख को वोटों की गिनती होगी और 5 तारीख को बीजेपी की सरकार बन जाएगी... इसलिए जल्दी से बांग्लादेश जाने के लिए तैयार हो जाओ। शाह ने इस क्षेत्र के लिए विकास की पहल का भी वादा किया और एक खास रिसर्च सेंटर बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ठीक यहीं चांदीपुर और आस-पास के इलाकों में पान की खेती होती है, इसलिए भारत सरकार चांदीपुर में एक बड़ा पान रिसर्च सेंटर बनाएगी। इसके साथ ही, उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों को कड़ी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, "मैं ममता के गुंडों को भी बता रहा हूँ कि वे 23 तारीख को अपने घरों से बाहर न निकलें... 5 तारीख को इखढ की सरकार आ रही है। हम उन्हें पाताल से भी ढूँढ़ निकालेंगे और जेल की सलाखों के पीछे भेज देंगे। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और घुसपैठ पर इखढ के रुख को भी दोहराते हुए कहा कि बीजेपी ने देश को नक्सलवाद से मुक्त कराया है, और आज मैं यह कह रहा हूँ कि सिर्फ. भारतीय जनता पार्टी ही पूरे देश को घुसपैठियों से मुक्त कराने का काम करेगी। बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक, हम घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं छोड़ेंगे। पिछली सैन्य और सुरक्षा कार्रवाइयों का ज़िक्र करते हुए शाह ने कहा, "कांग्रेस, कम्युनिस्ट और ममता जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ थे। हालाँकि, 2019 में पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया। जब कांग्रेस ममता जी के समर्थन से सत्ता में थी, तो वे आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते थे।

केरल के त्रिशूर में पटाखा निर्माण फैक्टरी में विस्फोट, 13 लोगों की मौत

पीएम मोदी ने जताया दुख

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम आठ की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके।

राज्य संचालित केआईएलए के कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाके की आवाज सुनी और पहले उन्हें लगा कि यह भूकंप है> एक अधिकारी ने बताया, बाद में जब हम चाय के लिए बाहर आए, तब हमें पता चला कि यह विस्फोट था।यह हादसा त्रिशूर पूरम की तैयारियों के चरम के दौरान हुआ है, जब एक दिन पहले ही ध्वजारोहण के साथ उत्सव की औपचारिक शुरूआत हुई थी। फिलहाल विस्फोट के सटीक कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन जांच में पटाखा सामग्री के भंडारण और हैंडलिंग में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विस्फोट के बाद आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है और कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ है।प्रशासन अब पटाखा निर्माण और भंडारण से जुड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने की तैयारी में है, क्योंकि त्रिशूर पूरम के दौरान बड़े पैमाने पर आतिशबाजी होती है, जिसके लिए सख्त निगरानी और नियमों का पालन जरूरी होता है। फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें अभी भी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं और हालात को काबू में लाने का प्रयास कर रही हैं। इलाके को पूरी तरह घेर लिया गया है और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक घटनास्थल के आसपास न जाएं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जबकि मेडिकल टीमें घायलों का इलाज आपात आधार पर कर रही हैं।

हादसे के वक्त करीब 40 लोग कर रहे थे काम

घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 लोगों की हालत बेहद ही गंभीर बताई जा रही है।

कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई धमाके की आवाज

विस्फोट के बाद इलाके में घना धुआं और आग फैल गई, जिससे बचाव कार्यों में भी कठिनाई आई। घटनास्थल पर मौजूद अधजले और बिना फटे विस्फोटकों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ।पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे धमाके की तीव्रता और वहां मौजूद विस्फोटक सामग्री के पैमाने का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अगरतला में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत- 2000 साल के प्रयोगों के बाद दुनिया थकी, अब भारत की राह देख रही

अगरतला । आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया 2000 साल के प्रयोग के बाद थक गई है और अब भारत की राह देख रही है। आरएसएस प्रमुख त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने दुनिया की मौजूदा स्थिति और भारत की भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया। वे मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने अपने संबोधन में पिछले करीब 2000 वर्षों के वैश्विक इतिहास और उसके अनुभवों का जिक्र किया।

'2000 साल के प्रयोगों के बाद दुनिया थकी'

अपने भाषण में उन्होंने कहा कि दुनिया ने अलग-अलग व्यवस्थाओं को अपनाकर प्रयोग किए। पहले राजाओं को सारी शक्ति दी गई, लेकिन समय के साथ कई शासक अपनी ही जनता का शोषण करने लगे। इसके बाद लोगों ने ईश्वर को सर्वोच्च मानकर भक्ति आधारित धर्मों को अपनाया, लेकिन शांति की तलाश में शुरू हुए ये रास्ते भी कई बार हिंसा और खून-खराबे में बदल गए।

'विज्ञान ने इंसानों को कई सुख-सुविधाएं दीं'

आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि इसके बाद विज्ञान का दौर आया, जहां लोगों ने यह मानना शुरू किया कि केवल वही सच है जिसे प्रयोगशाला में साबित किया जा सके। इस दौरान विज्ञान ने इंसानों को कई सुख-सुविधाएं दीं, लेकिन असली संतोष आज भी नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में दुख, परिवारों का टूटना, अपराध और युद्ध जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जितना विकास हो रहा है, उतना ही पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है।

पीएम मोदी से मिले सीएम सम्राट चौधरी

बोले- विकसित भारत की तर्ज पर बिहार को मिलेगी नई गति

बिहार। के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने विकसित भारत और समृद्ध बिहार की परिकल्पना पर चर्चा की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विकसित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप बिहार के विकास पथ को मजबूत करने के संबंध में बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी के मार्गदर्शन और सहयोग से बिहार की प्रगति को नई गति मिल रही है। इस बैठक को केंद्र-राज्य समन्वय के उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है जिनका उद्देश्य विकास पहलों को गति देना और राज्य में कल्याणकारी एवं

अवसंरचना परियोजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है। इससे पहले उन्होंने दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी भाजपा (मुख्यालय) में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच बिहार की राजनीति और मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा हुई। यह पहला अवसर है जब बिहार में भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री बना है। सम्राट चौधरी ने गत 15 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उल्लेखनीय है कि राज्य में नयी सरकार के गठन के बाद अब मंत्रिमंडल विस्तार पर सबकी नजर है। माना जा रहा है कि चौधरी जल्द ही अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं।

खरगे ने प्रधानमंत्री को पहले बताया 'आतंकी'

चेन्नई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी एक कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों के केंद्र में हैं। दरअसल एक रैली में उन्होंने पहले पीएम मोदी की तुलना आतंकवादी से कर दी। हालांकि बाद में सफाई देते हुए अपना बचाव किया है। इस पूरे घटनाक्रम ने चुनावी माहौल में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग को और भी तीखा कर दिया है।

अपनी सफाई के दौरान खरगे ने सीधे तौर पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर सरकारी संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई जैसी महत्वपूर्ण संस्थाएं पूरी तरह से प्रधानमंत्री के हाथों में हैं और इनका इस्तेमाल विरोधियों को डराने के लिए किया जा रहा है। खरगे ने यह भी चिंता जताई कि प्रधानमंत्री परिसीमन जैसी प्रक्रियाओं को भी अपने नियंत्रण में लेना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हर दिन प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं और अब खरगे ने भी उसी रास्ते पर चलते हुए देश के प्रधानमंत्री का अपमान किया है, जो बेहद निंदनीय है। संबित पात्रा ने कांग्रेस पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह वही पार्टी है जो ओसामा बिन लादेन को जी कहकर संबोधित करती है और जाकिर नाइक जैसे लोगों को शांति का दूत बताती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब भी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री को गाली दी है, भारत की जनता ने सजा दी है। पात्रा ने साथ ही यह भी कहा कि इस बार भी देश की जनता कांग्रेस के इन अपमानजनक बयानों का करारा जवाब देगी और उन्हें उनकी असली जगह दिखाएगी।

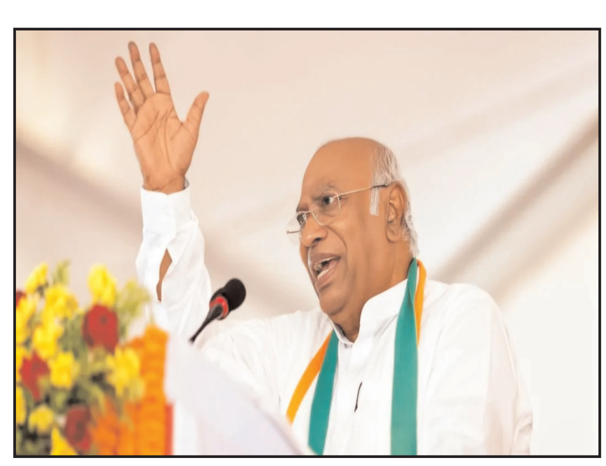

खरगे ने प्रधानमंत्री के बारे में असल में क्या कहा था?

चेन्नई में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठबंधन करने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि अन्नाद्रमुक के लोग मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं, जबकि वे समानता और न्याय में विश्वास नहीं रखते। खरगे ने आगे कहा कि ऐसे लोगों के साथ हाथ मिलाना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा है। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के संदर्भ में आतंकवादी शब्द का प्रयोग किया।

मोदी को गाली देना कांग्रेस की साजिश- संबित पात्रा

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर कड़ा पलटवार करते हुए इसे कांग्रेस की एक सोची-समझी साजिश करार दिया है। पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कहना कोई जुबान फिसलना नहीं, बल्कि राहुल गांधी के इशारे पर की गई टिप्पणी है।

अपनी टिप्पणी पर खरगे ने क्या सफाई पेश की है?

बढ़ते विवाद को देखते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने तुरंत अपने बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने कहा कि मैंने यह कभी नहीं कहा कि प्रधानमंत्री एक आतंकवादी हैं। मेरे कहने का मतलब यह था कि वह लोगों और राजनीतिक दलों को डराने-धमकाने का काम करते हैं। खरगे ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा धमकियां देते हैं और उनके आचरण से राजनीतिक गलियारों में डर पैदा होता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी का उद्देश्य प्रधानमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाना था, न कि उन पर कोई व्यक्तिगत हमला करना।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- प्रतिमा छूने की अनुमति नहीं मिलने पर क्या संविधान मदद करेगा?

नई दिल्ली । सबरीमाला समेत धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट में बड़ी सुनवाई जारी है। 9 जजों की संविधान पीठ कई अहम सांविधानिक सवालों पर विचार कर रही है, जिससे फैसले पर सबकी नजरें टिकी हैं।

सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव से जुड़े मामलों पर सुनवाई जारी है। इसके लिए अदालत ने 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया है, जो 2018 के फैसले के खिलाफ दायर समीक्षा याचिकाओं पर विचार कर रही है।

संविधान की भूमिका पर सवाल

सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि यदि किसी आस्थावान भक्त को देवता को छूने से रोका जाता है, तो क्या ऐसे में संविधान उसकी रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा? यह टिप्पणी जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने उस समय की, जब यह चर्चा चल रही थी कि जन्म या परंपरा के आधार पर किसी को पूजा-अधिकार से वंचित किया जा सकता है या नहीं।

मामले में मंदिर के प्रमुख पुजारी की ओर से कहा गया कि पूजा की परंपराएं और अनुष्ठान धर्म का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें धार्मिक अधिकार माना जाना चाहिए। उनके अनुसार, भक्त जब मंदिर आता है तो उसे देवता के स्वरूप और उसकी परंपराओं को स्वीकार करना होता है।

धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े व्यापक सवाल

सबरीमाला मामले के साथ-साथ अदालत अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े कई अहम मुद्दों की भी जांच कर रही है। इनमें मस्जिदों और दरगाहों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश, अंतरधार्मिक विवाह के बाद पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश का अधिकार, बहिष्कार की प्रथाओं की वैधता और दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला जननांग विकृति से जुड़े कानूनी सवाल शामिल हैं।

समयसीमा का सख्ती से पालन

सुनवाई के पहले दिन संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि सभी पक्षकारों को तय समयसीमा के भीतर ही अपनी दलीलें प्रस्तुत करनी होंगी। अदालत ने कहा कि अन्य महत्वपूर्ण मामले भी लंबित हैं, इसलिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। सभी वकीलों को अपने तर्क और दस्तावेज समय पर पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुनवाई का पूरा कार्यक्रम तय

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई का पूरा कार्यक्रम पहले ही तय कर दिया था।

29 अप्रैल को शिव मंदिर में सीएम योगी करेंगे ध्वजारोहण

15 मई तक सभी मंदिरों में फहराएगा धर्म ध्वज

अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर स्थित सभी मंदिरों में 15 मई तक धर्म ध्वज फहराने लगेगा। परिसर के सभी उप मंदिरों में धर्म ध्वज फहराने का काम चल रहा है। इसी क्रम में 29 अप्रैल को सीएम योगी आदित्यनाथ परकोटा स्थित शिव मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज फहराएंगे। इस कार्यक्रम में 700 मेहमानों को आमंत्रित किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में 700 से अधिक विशिष्ट अतिथि, संत-महंत, धमार्चार्य, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को निमंत्रण पत्र वितरित किए जा रहे हैं। अब तक राम मंदिर समेत परकोटा स्थित गणेश मंदिर, हनुमान मंदिर, सूर्य मंदिर, माता अन्नपूर्णा मंदिर पर ध्वजारोहण किया जा चुका है। शिव मंदिर पर सीएम योगी ध्वजारोहण करेंगे। शेषावतार मंदिर पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य और माता भगवती के मंदिर पर साध्वी ऋतंभरा ध्वजारोहण करेंगी। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार 29 अप्रैल का कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार, पूजन-अर्चन और पारंपरिक विधि-विधान के साथ संपन्न होगा। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा और सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ रखी जाएगी। परकोटा के उत्तरी पूर्वी कोने पर मंच तैयार किया जा रहा है।

CMYK

संपादकीय

वैश्विक संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है। वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरू कर सकते हो पर युद्ध शुरू होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा। युद्ध के चलते अब हालात ऐसे हो गए है कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी पूर्ण रवैये के चलते दुनिया की देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट से विकटतर होते जा रहे हैं। दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उड़ाने रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाएं कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देष कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण है। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देषों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम् के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है।

झारखंड में सीएनटी-एसपीटी कानून से उपजा खौफ

गणेश प्रसाद झा

झारखंड की राजधानी रांची में अदालत के आदेश पर प्रशासन द्वारा गैर-आदिवासियों के 13 घरों को बुलडोजर से ढाह दिए जाने से पूरे राज्य के लोगों में बेघर होने का खौफ पैदा हो गया है । मधुकम खादगढ़ा इलाके में आदिवासी जमीन खरीदकर लगभग 45 सालों से वहां मकान बनाकर रह रहे 13 गैर-आदिवासी परिवारों के मकान अंग्रेजी शासनकाल के दौरान बने एक कानून के तहत अवैध होने की वजह से अदालती आदेश पर तोड़कर गिरा दिए गए। आदिवासियों की जमीन से संबंधित ये ब्रिटिशकालीन कानून हैं- छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट, 1908 (सीएनटी) और संथाल परगना टेनेंसी एक्ट 1949 (एसपीटी)। ये दोनों कानून पूरे वनांचल क्षेत्र यानी झारखंड के इलाकों में तभी से लागू हैं जब बंगाल, बिहार और झारखंड एक ही राज्य हुआ करता था। इस कार्रवाई से आदिवासी काफी खुश हैं और वे पूरे झारखंड में 1932 का खतियान लागू करने और सीएनटी, एसपीटी की सारी जमीन खाली करने की मांग कर रहे हैं। इस बवाल के बाद रांची हाईकोर्ट ने मकान तोड़ने की कार्रवाई पर फिलहाल रोक तो लगा दी है पर वहां लाखों-करोड़ों रुपए लगाकर मकान बनाकर रह रहे गैर-आदिवासियों को अपने और अपने बच्चों के भविष्य को इस अनिश्चितता में फंसा हुआ पाकर गहरी चिंता ने घेर लिया है।

झारखंड में उठळ (छोटा नागपुर टेनेंसी) एक्ट और रढळ (संथाल परगना टेनेंसी) एक्ट कहता है कि आदिवासी की जमीन सिर्फ आदिवासी ही खरीद सकता है, कोई गैर-आदिवासी नहीं। झारखंड में रह रहे हर आदमी को यह बात मालूम है फिर भी लोग रिस्क लेकर दलालों और भ्रष्ट अधिकारियों की बातों पर भरोसा करके आदिवासियों की जमीन को गैर-आदिवासी द्वारा अवैध तरीके से रजिस्ट्री कराकर मकान बना बना लेते हैं' आप चाहे कितने भी राजनीतिक रसूखदार, ताकतवर या धन्ना सेठ हों आप कानून से उपर नहीं हैं। कोर्ट में सारी चीजें धरी की धरी रह जाती हैं। चाहे झोपडी हो, पक्का मकान हो या फिर अपार्टमेंट, इस कानून के तहत उनपर बुलडोजर चलना तय है। आदिवासियों की जमीन खाली कराने के लिए इन्हीं कानूनों के तहत झारखंड हाईकोर्ट में लगभग 4500 मामले अभी चल रहे हैं। हर मामले में आज नहीं तो कल इसी तरह का फैसला आना है।

अगर आप झारखंड में जमीन खरीद रहे हैं और मकान बना रहे हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी वह जमीन किसी आदिवासी की न हो। अगर आपने आदिवासी (अनुसूचित जनजाति) की जमीन जबरन कब्जा लिया है या वह जमीन आपको अवैध रूप से हस्तांतरित (खरीदी हुई) की गई है, तो कानून के तहत उसे कभी भी कोर्ट या सक्षम प्राधिकार के आदेश से खाली कराया जा सकता है। चाहे आपने कई मंजिला इमारत बना रखी हो, उनपर बुलडोजर चलने से कोई नहीं रोक सकता। झारखंड में अगर कोई आदिवासी की जमीन दानपत्र के आधार पर भी खरीदता है तो इस कानून के तहत यह भी गैरकानूनी और सरासर धोखा ही है। आप भले ही दशकों पहले से मकान बनाकर रह रहे हों लेकिन आपका वह सबकुछ एक झटके में छिन सकता है। झारखंड में हालत यह हे कि वहां 60-65 फीसदी गैर-आदिवासी वहां के मूल निवासी आदिवासियों की जमीन पर ही बसे हुए हैं। आदिवासियों की जमीन पर बड़े-बड़े आलीशान मकान और कोठियों के साथ बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स बन गए हैं जो बिकते हैं और लोग खरिदते हैं।

झारखंड का छोटा नागपुर किरायेदारी (सीएनटी) अधिनियम, 1908, आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को अवैध हस्तांतरण से बचाने के लिए अंग्रेजी हुकूमत द्वारा बनाया गया एक महत्वपूर्ण भूमि अधिकार कानून है। यह अधिनियम उत्तरी छोटा नागपुर, दक्षिणी छोटा नागपुर और पलामू जैसे क्षेत्रों को कवर करता है। यह आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को बेचने, दान देने, उपहार में देने या पट्टे पर देने पर रोक लगाता है।

सीएनटी अधिनियम, 1908 जनजातीय भूमि अधिकारों की रक्षा करने और सामुदायिक स्वामित्व सुनिश्चित करने के लिए 11 नवंबर, 1908 को अधिनियमित किया गया। इस कानून की निषेधात्मक धारा 46-49 आमतौर पर अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी), और पिछड़े वर्गों के स्वामित्व वाली भूमि को गैर-आदिवासियों को हस्तांतरित करने पर रोक लगाता है। इस कानून के तहत आदिवासी भूमि का हस्तांतरण केवल उसी पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाले किसी दूसरे आदिवासी को ही किया जा सकता है, जिसके लिए उपायुक्त (डीसी) से अनुमति लेना जरूरी है। इसमें एक अपवाद भी है और वह यह कि सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए भूमि सरकार को हस्तांतरित की जा सकती है। इसमें बेदखली से सुरक्षा की भी व्यवस्था दी गई है। विशिष्ट कानूनी आदेशों के अलावा, मकान मालिक द्वारा अधिभोगी रैयतों को बेदखल नहीं किया जा सकता है। किरायेदार अपनी भूमि का समर्पण कर सकते हैं, लेकिन यह लिखित रूप में होना चाहिए। यह अधिनियम झारखंड में स्वदेशी भूमि के हस्तांतरण को रोकने के लिए बनाया गया एक मूलभूत कानूनी ढांचा है।

जमीन के मामले में झारखंड में आज जो स्थिति है उसके लिए आदिवासी जमीन मालिक और सरकारी अफसर दोनों जिम्मेदार हैं। इसमें पीड़ित हैं आदिवासी जमीन मालिक और उनकी जमीन खरीदकर घर बनानेवाले भी। इस खेल में जो पीड़ित हैं वे भी इस साज़िश में भागीदार हैं और यह सब सरकार के नुमाइंदों की मदद से हुआ है। रांची में हुई इस अदालती कार्रवाई से पूरे झारखंड में हंगामा मचा हुआ है। कोर्ट की इस कार्रवाई पर आदिवासी राजनीति करने वाले मजे ले रहे हैं, लेकिन असली सवाल कोई नहीं पूछ रहा कि ये मकान सादा पट्टे पर ली गई जमीन पर बने थे। रांची में हजारों मकान इसी तरह सादा पट्टे पर बिके और हस्तांतरित हुए हैं। अब सवाल है कि इन जमीनों की दलाली किसने की? जाहिर है आदिवासी नेताओं ने ही की। और यह भी कि क्या सिर्फ इन 13 मकानों से ही कानून का उल्लंघन हुआ है? यह बात भी सही है कि रांची में आदिवासी जमीन का हस्तांतरण प्रशासन से अनुमति लेकर भी हुआ है। रांची से बाहर के हजारों संपन्न आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगों ने भी रांची में आदिवासियों और पिछड़े वर्ग की जमीन एकड़ों में खरीदी है। उनका जाति प्रमाण पत्र संबंधित थाना क्षेत्र और जिले से बना है। पर यह कैसे बना? जाहिर है, फर्जी खतियान और फर्जी प्रमाण पत्र के जरिए बनाया गया। अगर वर्ष 2000 से अब तक रांची जिले में अनुमति लेकर हस्तांतरित सीएनटी जमीन का एक स्वतंत्र ऑडिट हो जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

रांची में कई मोहल्ले और अपार्टमेंट आदिवासी जमीन पर बने हैं। लोग दलालों के बहकावे में आकर जमीन खरीद लेते हैं, कागज बन जाते हैं और उन्हें सुविधाएं भी मिल जाती हैं। बाद में अचानक घर तोड़ दिए जाते हैं, जो गलत है। सिर्फ घर गिराना न्याय नहीं है, बल्कि जमीन बेचने वाले, दलाल और जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। सभी के साथ बराबरी का व्यवहार होना जरूरी है, तभी सच्चा इंसाफ होगा।

कार्रवाई नन सेलेबल जमीन बेचनेवालों पर भी होनी चाहिए और दानपत्र, शपथपत्र द्वारा दान स्वरूप जमीन लेने वालों पर भी होनी चाहिए। आदिवासी क्या इसमें दोषी नहीं है। इतने लंबे अर्से से जो परिवार एक आशियाना बनाकर रह रहे हैं उनसे उनका वह आशियाना एक झटके में झपट लिया, यह कैसा कानून है। झारखंड में 60-65 फीसदी गैर-आदिवासी लोग आदिवासियों की जमीन पर ही बसे हुए हैं। और वहां बड़ी-बड़ी कोठियों के साथ बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स भी बिकते हैं तभी तो खरीदार उन्हें खरीदते हैं। इसमें बेचने वाला भी उतना ही दोषी है जितना खरीदने वाला। ठीक है जमीन आपकी है वापस ले लो पर जो भवन बनाया गया है उसका बाजार मूल्य के हिसाब से उचित मुआवजा भी तो चुकाना बनता है। पीड़ित पक्ष कहते हैं कि यह एक तरफा न्याय है।

जानकारों का कहना है कि इस अदालती कार्रवाई के बाद झारखंड में आदिवासी जमीन अब और सस्ता हो जाएगा और कॉरपोरेट घराने और बड़े-बड़े लोग आराम से उसे औने-पौने दामों में खरीद लेंगे। झारखंड के शहरों में हजारों नहीं लाखों-करोड़ों मकान आदिवासी जमीन पर ही बने डुए हैं। सबको तोड़ डालने से पूरा रांची और राज्य के दूसरे शहर पूरी तरह सपाट हो जाएंगे।

झारखंड में आदिवासियों की जमीन लोग जानबूझकर खरीदते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि गैर-झारखंडी यानी गैर-आदिवासी लोग रांची में सबकुछ जानते हुए भी आदिवासी जमीन खरीदते हैं और घर बनाते हैं और कहते हैं कि कभी कुछ नहीं होगा और जब होगा तब देखा जाएगा। तो अब हो रहा है, देखिए। जमीन खरीदारों को भी अच्छी तरह मालूम है कि आदिवासी जमीन लेने में खतरा है लेकिन खरीदार क्या करें उन्हें आदिवासी जमीन बहुत ही कम दामों में मिल जाती है और वे खरीद लेते हैं। आदिवासी भी पैसों की जरूरत होने पर कानून को जानते हुए भी जमीन बेचते हैं। और बाद में बेईमानी पर उतारू हो जाते हैं और कानून की धौंस दिखाने लगते हैं। अगर जमीन सेलेबल नहीं है तो फिर उसे क्यों बेचना। हो सकता है किसी ने आदिवासी की जमीन जबरन हथिया ली हो लेकिन हर किसी ने तो ऐसा नहीं किया होगा। सारा खेल जमीन माफिया और प्रशासनिक माफिया का किया धरा है और इन्हीं के चलते आज हर कोई इस समस्या को भुगत रहा है।

इसे सिस्टम की नाकामी भी कह सकते हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि चंद पैसे के लालच में डीड का सत्यापन करना और अधिकार दिलाना यह सब राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों ने कराया। उन अधिकारियों पर भी कानूनी कारवाई होनी चाहिए जिन्होंने ऐसा कुकृत्य किया है और उसका खामियाजा इन 13 परिवारों को भुगतना पड़ा है।

जब लोग जानते हैं कि आदिवासी जमीन आज नहीं तो कल मालिक का ही होगा तो फिर जबरदस्ती वैसी जमीन खरीदकर घर क्यों बनाते हैं। ऐसी जमीन खरीदकर मकान बनानेवाले सामान्य वर्ग के लोग कहते हैं की आदिवासी कभी केस नहीं लड़ पाएगा और न जमीन हासिल कर पाएगा। हजारों गैर-आदिवासी और सामान्य वर्ग के लोग अपनी इसी मानसिकता के साथ अभी भी खरीद बिक्री कर रहे हैं और नहीं बेचने पर मजबूर व्यक्ति को कई तरह के झांसे में लेकर जमीन खरीद रहे हैं। जब खरीदते समय भी यह सब पता था, तो अब घर टूटते समय भी दर्द सहन करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

इस मामले पर आदिवासी राजेंद्र मुंडा कहते हैं कि कभी देर से, शायद दो पीढ़ियों बाद भी, लेकिन कर्मा हमेशा लौटकर आता है। महादेव ओरांव के मामले में झारखंड हाईकोर्ट का फैसला सिर्फ एक परिवार की जीत नहीं है। यह उस उद्देश्य की फिर से पुष्टि है जिसके लिए छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी कानून), 1908 बनाया गया था - आदिवासी जमीन को अवैध हस्तांतरण, दबाव, फजीवाड़े और बेदखली से बचाने के लिए।

आदिवासी भूमि का गैर-आदिवासियों को हस्तांतरण बिना वैधानिक अनुमति के नहीं हो सकता।

सीएनटी का उल्लंघन कर किया गया कोई भी हस्तांतरण शुरूआत से ही शून्य (अवैध) माना जाता है। प्रशासन को अधिकार है कि वह दशकों बाद भी अवैध कब्जाधारियों को बेदखल कर भूमि मूल आदिवासी मालिक को वापस दिलाए। आदिवासी पक्ष का कहना है कि ऐसा कहना कि आदिवासी पहले जमीन बेचते हैं, फिर वापस ले लेते हैं यह एक खतरनाक भ्रम है। यह बात झारखंड के वास्तविक इतिहास को नजरअंदाज करती है। औपनिवेशिक काल और स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक फर्जी दस्तावेज, कर्ज के जाल, दबाव,धमकी और बेनामी खरीदारों के जरिए बड़े पैमाने पर आदिवासी भूमि छीनी गई। रांची और आसपास के क्षेत्रों में कई आदिवासी गांव शहरी विस्तार में बिना वैध हस्तांतरण के समाहित कर लिए गए। अनेक परिवार रोजगार के लिए पलायन कर गए, अशिक्षा और कानूनी जानकारी के अभाव में चुप रह गए, जबकि कब्जाधारी अपनी पकड़ मजबूत करते चले गए। सीएनटी के तहत बहाली यानी जमीन का उसके मूल मालिक को रेस्टोरेशन कोई धोखाधड़ी नहीं, बल्कि ऐतिहासिक अन्याय का कानूनी सुधार है।

अब बात उठ रही है कि पैसा तो दिया गया था, फिर जमीन क्यों लौटाई जाए? इस पर जानकार कहते हैं कि भले ही किसी समय को कुछ पैसा दिया गया हो पर पैसा देना अवैध सौदे को वैध नहीं बनाता। जो लेन-देन सीएनटी कानून का उल्लंघन करता है, उसकी कोई कानूनी वैधानिक मान्यता नहीं है। जिसे कानून ही बेचने से रोकता है, उसे कोई खरीद नहीं सकता। खरीद कैसे लिया जब रजिस्ट्री हुई ही नहीं। जब रजिस्ट्री ही नहीं हो सकता तो फिर जमीन की खरीद-बिक्री कैसे हो गई।

यदि कोई व्यक्ति दशकों तक आदिवासी भूमि पर अवैध रूप से काबिज रहा है तो वह व्यक्ति दिए गए पैसों की वापसी की मांग नहीं कर सकता। ऐसा ही एक सतवर्षा सुदभरना कानून इंदिरा गांधी ने 1975-1980 के दौरान लागू किया था जिसमें जमीन गिरवी रखने वालों की जमीन बिना रकम लौटाए वापस हो गई थी। तर्क यही था कि वास्तविक मालिक ने वर्षों तक अपनी जमीन के उपयोग, आजीविका और सुरक्षा का नुकसान झेला है। सामान्य संपत्ति कानून के सिद्धांतों के अनुसार, अवैध कब्जाधारी पर हजार्ना/क्षतिपूर्ति तक का दावा किया जा सकता है। यानी कानून की नजर में नुकसान आदिवासी परिवार का हुआ है, कब्जाधारी का नहीं। आदिवासी जमीन पर बसे लोगों का यह कहना है कि जिन्होंने भी जमीन खरीदी है उसका उसी समय विरोध होना चाहिए था और उनपर कानूनी कार्रवाई उसी समय होनी चाहिए थी। लोगों को पहले घर बनाने दिया गया और इतने सालों बाद आज उन्हें बेघर किया जा रहा है। उन्हें बेघर करना कहीं से भी उचित नहीं है। पूरा देश कानून से चलता है और कानून मानना भी पड़ेगा। आज भी जमीन की खरीद बिक्री अवैध रूप से हो रही है और सरकार यह गलत काम होने दे रही है। इस पर रोक लगनी चाहिए।

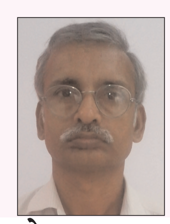

गणेश प्रसाद झा

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का आदर्श : आज के समाज के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत

अमरेन्द्र कुमार मिश्र

भारतीय संस्कृति और सभ्यता के मूल में जिन आदर्शों ने हजारों वर्षों से समाज को दिशा दी है, उनमें भगवान श्रीराम का स्थान सर्वोपरि है। उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम कहा जाता है, अर्थात वह पुरुष जो मयार्दा, नीति, धर्म और कर्तव्य की सर्वोच्च सीमा का पालन करता हो। उनका जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि आदर्श मानवीय जीवन का व्यावहारिक मार्गदर्शन है।

धर्म और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा

श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन धर्म पालन का प्रतीक है। उन्होंने राजकुमार होते हुए भी पिता के वचन को सर्वोपरि मानकर 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया। यह घटना केवल त्याग नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा का अद्वितीय उदाहरण है। आज के दौर में, जब व्यक्तिगत स्वार्थ अक्सर कर्तव्य पर भारी पड़ता है, श्रीराम का यह आदर्श समाज को नैतिकता का संदेश देता है।

आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श राजा

श्रीराम ने हर भूमिका में उत्कृष्टता का परिचय दिया। एक पुत्र के रूप में उन्होंने माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च रखा, एक पति के रूप में माता सीता के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण अद्वितीय रहा, और एक राजा के रूप में रामराज्य की स्थापना कर उन्होंने न्याय, समानता और सुशासन का आदर्श प्रस्तुत किया। रामराज्य आज भी एक आदर्श शासन व्यवस्था के रूप में देखा जाता है, जहाँ हर व्यक्ति को न्याय और सम्मान मिलता है।

त्याग, संयम और विनम्रता का प्रतीक

श्रीराम के जीवन में शक्ति और सामर्थ्य होने के बावजूद अहंकार का अभाव था। उन्होंने हर परिस्थिति में संयम और विनम्रता का परिचय दिया। चाहे वह वनवास का कठिन जीवन हो या रावण जैसे शक्तिशाली शत्रु से युद्ध, उन्होंने कभी भी मयार्दा का उल्लंघन नहीं किया। यही कारण है कि उनका व्यक्तित्व संतुलन और आत्मसंयम का सर्वोत्तम उदाहरण बन जाता है।

सामाजिक समरसता और मानवता का संदेश

श्रीराम ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का संदेश दिया। निषादराज, शबरी, हनुमान और सुग्रीव जैसे पात्रों के साथ उनका व्यवहार यह दशार्ता है कि उनके लिए जाति, वर्ग या स्थिति का कोई भेदभाव नहीं था। हनुमान के प्रति उनका स्नेह और विश्वास सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है।

वैश्विक जनजातीय सभ्यता: प्रकृति, प्रज्ञा और परंपरा का महासिंधु

सत्येन्द्र कुमार पाठक

आदिम चेतना का मानव सभ्यता के इतिहास में जनजातीय समुदाय केवल वनवासी या गिरिजन नहीं हैं, बल्कि वे उस आदि-प्रज्ञा के संवाहक हैं, जिसने प्रकृति के साथ संघर्ष के बजाय सह-अस्तित्व को अपना जीवन-दर्शन बनाया। भारत के विंध्य और सतपुड़ा की कंदराओं से लेकर अमेजन के वर्षावनों और साइबेरिया के बफीर्ले मैदानों तक, जनजातीय संस्कृति एक ऐसे वैश्विक सूत्र से जुड़ी है, जिसका आधार पंचतत्व और सामुदायिक शुचिता है। यह आलेख जनजातीय जीवन के बहुआयामी पक्षों का एक तुलनात्मक और शोधपरक अन्वेषण है।

समतावाद और अभूतपूर्व लोकतंत्र - जनजातीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गैर-श्रेणीबद्ध संरचना है। आधुनिक समाज जहाँ वर्ग और वर्ण के विभेद में उलझा है, जनजातीय समाज सामुदायिकता को सर्वोपरि मानता है। स्त्री-पुरुष समानताः जनजातीय समाज में लिंग-भेद न्यूनतम है। मेघालय की खासी जनजाति में मातृसत्तात्मक व्यवस्था है, जहाँ वंश का नाम माता से चलता है। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ के गोंड और झारखण्ड के मुंडा समुदायों में महिलाएं आर्थिक निर्णयों में पुरुषों के बराबर की भागीदार हैं। युवा गृह : बस्तर के घोटुल, ओरांव के धुमकुरिया और नागालैंड के मोरुंग जैसी संस्थाएं केवल मनोरंजन केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक प्रशिक्षण के विश्वविद्यालय हैं। यहाँ युवाओं को सेवा, अनुशासन, लोक-संगीत और सामुदायिक उत्तरदायित्व की शिक्षा दी जाती है। पारंपरिक न्याय प्रणालीः प्रत्येक गाँव में ग्राम सभा होती है। बिहार-झारखण्ड में मांझी-परगना व्यवस्था या राजस्थान में पाल मुखिया की व्यवस्था, विकेंद्रीकृत लोकतंत्र का प्राचीनतम रूप है। यहाँ दंड का उद्देश्य अपराधी को समाज से बाहर करना नहीं, बल्कि उसका प्रायश्चित कराकर उसे पुनः मुख्यधारा में शामिल करना होता है।

आध्यात्मिक एवं धार्मिक दर्शनः सर्वात्मवाद और पूर्वज पूजा - जनजातीय अध्यात्म संस्थानिक धर्म से भिन्न है। इनका धर्म अनुभव और प्रत्यक्ष प्रकृति पर आधारित है। पंचतत्व की उपासनाः जनजातियों के लिए जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश केवल भौतिक तत्व नहीं, बल्कि जीवित देवता हैं। इष्टदेव और प्रतीकवादः * भारतः गोंडों के बूढ़ादेव, संथालों के मरांग बुरु (पर्वत देवता) और भीलों के राजा पंथा प्रकृति के ही मानवीकृत रूप हैं। अमेरिका के नवाजो और अपाचे ग्रेट स्पिरिट की पूजा करते हैं। रूस के साइबेरियाई क्षेत्रों में शमनवाद प्रचलित है, जहाँ आध्यात्मिक गुरु (शमन) आत्माओं और मनुष्यों के बीच सेतु का कार्य करता है।।टोटेमवाद : प्रत्येक गोत्र का संबंध किसी पशु, पक्षी या वृक्ष से होता है। उस टोटेम की रक्षा करना उस गोत्र का परम धर्म होता है, जो अनजाने में ही वन्यजीव संरक्षण को सुनिश्चित करता है।

भाषायी एवं साहित्यिक संपदाः मौखिक परंपरा का वैभव में जनजातीय साहित्य लिखित न होकर श्रुति और स्मृति पर आधारित है। यह हजारों वर्षों का संचित ज्ञान है जो लोकगीतों, मिथकों और पहेलियों के माध्यम से जीवित है। भाषायी परिवारः भारत में जनजातीय भाषाएं तीन प्रमुख परिवारों—आग्नेय (अ४२३१ङ्क- अ३ूं३ू), भोट-चीनी और द्रविड़ —में विभक्त हैं। संथाली भाषा की अपनी लिपि ओल-चिकी इसकी उन्नत अवस्था का प्रमाण है। लोक गाथाएंः मुंडाओं की सोसोबोंगा या गोंडों की पंडवानी गाथाएं महाकाव्यों के समान विस्तृत हैं। इनमें ब्रह्मांड की उत्पत्ति, वीरता और नैतिकता के पाठ छिपे हैं।

अमेरिका के मूल निवासियों की कोड-टॉकर्स भाषा का महत्व द्वितीय विश्व युद्ध में भी सिद्ध हुआ थ स्थिरता और पारिस्थितिकी संतुलन में जनजातीय अर्थव्यवस्था जीवन निर्वाह पर आधारित है, न कि असीमित संचय पर है। वनोपज और कृषिः इनकी अर्थव्यवस्था वनों के उत्पादों (महुआ, चिरौंजी, शहद, जड़ी-बूटियाँ) पर निर्भर है। झूम खेती या पेंडा खेती भूमि के चक्रीय उपयोग का प्राचीन वैज्ञानिक तरीका है। सामुदायिक स्वामित्वः भूमि और जल स्रोतों पर किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का अधिकार होता है। यह व्यवस्था आर्थिक विषमता को जन्म नहीं लेने देती। हस्तशिल्पः छत्तीसगढ़ का ढोकरा शिल्प धातु विज्ञान की प्राचीनतम तकनीक है। इसी तरह, पूर्वोत्तर के राज्यों (नागालैंड, मणिपुर) में बांस और बेंत का काम इंजीनियरिंग और कला का बेजोड़ नमूना है।

.भारत से विश्व तक का सेतु - जनजातियों का इतिहास विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है। भारतः बिरसा मुंडा का उलगुलान, सिद्धू-कान्हू का संथाल हुल, और रानी दुर्गावती का मुगलों से संघर्ष—ये सभी अपनी स्वशासन की रक्षा के उदाहरण हैं। अमेरिका के मूल निवासियों ने अपनी भूमि के लिए दशकों तक संघर्ष किया। ब्रिटेन के प्राचीन सेल्टिक योद्धाओं ने रोमनों के विरुद्ध वीरता दिखाई। यह योद्धा वृत्ति आज भी उनके लोकनृत्यों और शस्त्र-पूजन में दिखाई देती है। आधुनिक शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य चुनौतियां - परंपरागत रूप से समृद्ध होने के बावजूद, आधुनिक काल में ये समुदाय पिछड़ गए हैं। इनकी अपनी शिक्षा प्रणाली (जैसे घोटुल) को आधुनिक शिक्षा ने विस्थापित किया है। अब सरकार एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बना रही है। जनजातियों के पास नृ-वनस्पति विज्ञान का अपार ज्ञान है। वे हजारों असाध्य रोगों का इलाज वनों की जड़ी-बूटियों से करते हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान आज इस ज्ञान की ओर मुड़कर देख रहा है।

भविष्य का मार्ग का जनजातीय संस्कृति केवल संरक्षण की वस्तु नहीं है, बल्कि वह आधुनिक विश्व के लिए समाधान है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के दौर में, जनजातियों का यह सिद्धांत कि हम पृथ्वी के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक हैं, पूरी मानवता के लिए संजीवनी है।

सांस्कृतिक प्रहरी के रूप में जनजातिः भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के असली रक्षक हैं। उनकी मौखिक परंपरा, बीज संरक्षण की तकनीक, और सामुदायिक जीवन हमें एक बेहतर और शांतिपूर्ण विश्व की ओर ले जा सकते हैं।लाल भारत के ऐतिहासिक क्षेत्र से लेकर विश्व के सुदूर कोनों तक, जनजातीय समाज का संघर्ष और सृजन एक ही राग अलापता है—स्वतंत्रता और प्रकृति से प्रेम। एक लेखक और इतिहासकार के रूप में, हमारा दायित्व है कि हम इस आदिम मेधा को आधुनिक शोध के पन्नों पर वह स्थान दिलाएं, जिसकी वह हकदार है। जनजातीय संस्कृति का भविष्य ही मानवता का सुरक्षित भविष्य है।

संदर्भ सूत्रः भारत का जनजातीय इतिहास - शोधपरक विश्लेषण ,विश्व की स्वदेशी संस्कृतियाँ - संयुक्त राष्ट्र (वठ) रिपोर्ट , नृ-वंश विज्ञान और भाषायी विविधता - अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र , क्षेत्रीय अध्ययनः मगध और छोटानागपुर की जनजातीय ।

9472987491

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''गिलेडविन मसीह'' के लिए ''बुलंद मंज़िल'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

भाजपा विधायक के भाई राजेंद्र खड़गवंशी सपा में शामिल, 2027 से पहले हसनपुर सीट पर बदले समीकरण

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। हसनपुर विधानसभा सीट पर राजनीति ने अचानक नया मोड़ ले लिया है। भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी के छोटे भाई और गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। उनके इस कदम से न केवल भाजपा को बड़ा झटका लगा है, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव से पहले हसनपुर की सियासत में हलचल तेज हो गई है।

लखनऊ में सपा प्रमुख के साथ पार्टी की सदस्यता लेते ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़गवंशी

लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राजेंद्र खड़गवंशी को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जो भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए। सपा में शामिल होते ही क्षेत्रीय राजनीति में चचाओं का दौर शुरू हो गया है और इसे एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। राजेंद्र खड़गवंशी की पहचान गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख के रूप में है और क्षेत्र में उनका अच्छा खासा जनाधार माना जाता है। खास बात यह भी है कि उनकी पत्नी भी पहले हसनपुर ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं, जिससे इस परिवार की स्थानीय राजनीति में मजबूत पकड़ रही है। ऐसे में उनका सपा में जाना भाजपा के लिए संगठनात्मक और सामाजिक दोनों स्तरों पर नुकसानदेह माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, यह फैसला अचानक नहीं लिया गया है। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भी राजेंद्र खड़गवंशी के सपा में जाने की अटकलें तेज हो गई थीं। उस समय भाजपा नेतृत्व ने स्थिति संभालने की कोशिश की थी। बताया जाता है कि तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी स्वयं उनके आवास पर पहुंचे थे और उन्हें पार्टी में बनाए रखने का प्रयास किया था। तब राजेंद्र ने भाजपा में बने रहने का भरोसा दिया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक ही परिवार के दो प्रभावशाली नेताओं का अलग-अलग दलों में होना हसनपुर सीट को बेहद दिलचस्प बना देगा। एक ओर जहां महेंद्र सिंह खड़गवंशी भाजपा के टिकट पर मैदान में होंगे, वहीं दूसरी ओर राजेंद्र खड़गवंशी सपा के संभावित उम्मीदवार के रूप में सामने आ सकते हैं। इससे मुकाबला सीधा और हाई-वोल्टेज होने के आसार हैं।

स्थानीय स्तर पर इस घटनाक्रम को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। सपा कार्यकताओं में जहां उत्साह का माहौल है, वहीं भाजपा खेमे में इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। कई राजनीतिक जानकार इसे ҅भीतरघात҆ तो कुछ इसे ҅रणनीतिक बदलाव҆ के तौर पर देख रहे हैं।

चर्चा यह भी है कि राजेंद्र खड़गवंशी हसनपुर विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की दावेदारी पेश कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो यह चुनाव सिर्फ दो पार्टियों के बीच नहीं, बल्कि एक ही परिवार के भीतर सियासी मुकाबले के रूप में भी देखा जाएगा।

फिलहाल इतना तय है कि राजेंद्र खड़गवंशी के इस कदम ने हसनपुर की राजनीति में नया समीकरण खड़ा कर दिया है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा इस चुनौती से कैसे निपटती है और सपा इस मौके को किस तरह अपने पक्ष में भुनाने की रणनीति बनाती है। 2027 विधानसभा चुनाव से पहले यह सियासी बदलाव पूरे जनपद की राजनीति को प्रभावित करता नजर आ रहा है।

राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ब्लाक प्रमुख गंगेश्वरी ने बताया कि लखनऊ में मंगलवार को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व पुर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के द्वारा सदस्यता ग्रहण कर ली गई है

वोटिंग से तय होगी बार की बागडोर, अधिवक्ताओं में उत्साह चरम पर

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। जिला न्यायालय परिसर मंगलवार को लोकतंत्र के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया, जब बार एसोसिएशन चुनाव के तहत अध्यक्ष पद के लिए मतदान शुरू हुआ। सुबह से ही अधिवक्ताओं की लंबी कतारें यह बता रही थीं कि इस बार चुनाव केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा और नेतृत्व की असली परीक्षा बन चुका है। करीब 1000 से अधिक अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। अध्यक्ष पद के लिए छह प्रत्याशी मैदान में हैं, जिससे मुकाबला बेहद दिलचस्प और बहुकोणीय हो गया है। हर प्रत्याशी अपने अनुभव, कार्यशैली और वादों के दम पर जीत का दावा कर रहा है, वहीं समर्थकों के बीच भी जबरदस्त सक्रियता देखी जा रही है। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए न्यायालय परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार निगरानी बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। हर प्रवेश द्वार पर चेकिंग और अंदर अनुशासन का खास ध्यान रखा जा रहा है। इस बार के चुनाव की खास बात युवा अधिवक्ताओं की बढ़ती भागीदारी रही। युवा वर्ग न केवल मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है, बल्कि चुनावी माहौल को नई दिशा भी दे रहा है। कई अधिवक्ताओं का कहना है कि वे जाति और धर्म से ऊपर उठकर योग्य और सक्रिय नेतृत्व को चुनने के पक्ष में हैं, जो बार के हितों की मजबूती से पैरवी कर सके।

मतदान के दौरान अमरोहा जिला न्यायालय परिसर में वोट डालने के लिए कतार में खड़े अधिवक्ता।

चुनाव को लेकर दिनभर न्यायालय परिसर में गहमागहमी बनी रही। कहीं समर्थक अपने प्रत्याशी के समर्थन में माहौल बनाते दिखे तो कहीं अधिवक्ताओं के बीच मुद्दों पर गंभीर चर्चा होती रही। कुल मिलाकर यह चुनाव न केवल बार की राजनीति, बल्कि अधिवक्ताओं की एकजुटता और जागरूकता का भी प्रतीक बन गया है। अब सभी की निगाहें बुधवार को घोषित होने वाले नतीजों पर टिकी हैं, जो यह तय करेंगे कि बार एसोसिएशन की कमान अगले कार्यकाल में किसके हाथों में जाएगी।

लाखों की लागत से बना RRC सेंटर बंद, मकनपुर की सड़कों पर कूड़े के ढेर–ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। जोया ब्लॉक क्षेत्र के गांव मकनपुर में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। गांव में लाखों रुपये की लागत से निर्मित एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र मंगलवार को भी ताला बंद पड़ा है, जबकि गांव की मुख्य सड़क कूड़े के ढेरों से पटी हुई है। यह स्थिति न केवल जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर भी गंभीर खतरा बन चुकी है।

आर आर सी सेंटर पर लटका पड़ा ताला

गांव के बाहरी छोर पर मुख्य मार्ग के किनारे पड़े कूड़े के ढेर

ग्रामीणों का आरोप है कि जब से यह फ्फ्ठ सेंटर बना है, तब से आज तक इसका उपयोग नहीं किया गया। केंद्र का उद्देश्य गांव में कचरा प्रबंधन को व्यवस्थित करना था, ताकि गीले और सूखे कचरे का सही तरीके से निस्तारण हो सके। लेकिन हकीकत यह है कि सेंटर पर हमेशा ताला लटका रहता है और कचरा खुले में सड़कों पर फेंका जा रहा है।

गांव के मुख्य मार्ग पर जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जिनसे दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। बारिश के दिनों में यह स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब कूड़ा सड़कर नालियों में बहता है और जलभराव की समस्या को जन्म देता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जब सरकार स्वच्छता अभियान पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, तब गांव स्तर पर इस तरह की लापरवाही क्यों हो रही है। ग्रामवासियों ने मांग की है कि जल्द से जल्द RRC सेंटर को चालू किया जाए और गांव में नियमित कचरा संग्रहण और निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग उठाई जा रही है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और कब तक गांव मकनपुर को कूड़े के इस संकट से राहत मिल पाती है।

अब नहीं चलेगा आधा-अधूरा खेल, डीएम का सख्त फरमान

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अमरोहा शहर की जल निकासी के लिए वॉटर ड्रेनेज योजना के अंतर्गत नाला निर्माण, तहसील नौगांवा सादात में आवासीय एवं अनावासीय भवन निर्माण, धनौरा स्थित प्राचीन शिव मंदिर पत्थर कुटी के पर्यटन विकास कार्य, गजरौला के बूढ़े बाबू तालाब मायापुरी का सौंदर्यीकरण, पुनर्गठित पेयजल योजना, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, गजरौला में मैरिज हॉल निर्माण और साइबर क्राइम थाना निर्माण सहित कई अहम परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और उनकी प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उन्हें तत्काल सीएमआईएस पोर्टल पर अपलोड किया जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि हर निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही किया जाए।

डीएम ने गुणवत्ता को लेकर विशेष सख्ती दिखाते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होगा। उन्होंने थर्ड पार्टी निरीक्षण को अनिवार्य बताते हुए कहा कि यदि कहीं भी कार्य में कमी या त्रुटि पाई जाती है तो उसे तत्काल ठीक कराया जाए, अन्यथा संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि एडवर्स रिपोर्ट मिलने पर उसे गंभीरता से लेते हुए सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए, जिनकी भौतिक प्रगति 90 से 100 प्रतिशत के बीच है। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि ऐसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कर उनका हस्तांतरण सुनिश्चित करें, ताकि आम जनता को समय पर इनका लाभ मिल सके। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जिन परियोजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध है, उसका शीघ्र उपयोग कर कार्यों में तेजी लाई जाए। जिलाधिकारी ने दो टूक कहा कि विकास कार्यों की रफ्तार में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, अर्थ एवं संख्या अधिकारी अमित कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मिलों की धड़कन टटोलने निकले डीएम

गजरौला–हसनपुर से चन्दनपुर तक मशीनों की सेहत का लिया जायजा

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। जनपद की चीनी मिलों को नई रफ्तार देने की मंशा के साथ जिलाधिकारी डाक्टर नितिन गौड़ मंगलवार को खुद मैदान में उतरे। उन्होंने दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, गजरौला-हसनपुर और त्रिवेणी ग्रुप की चीनी मिल, चन्दनपुर का निरीक्षण कर न केवल मशीनों की स्थिति को परखा, बल्कि प्रबंधन को भविष्य की दिशा भी स्पष्ट कर दी। निरीक्षण के दौरान डीएम का फोकस साफ था–तकनीक मजबूत हो, खर्च नियंत्रित रहे और उत्पादन बेहतर हो। गजरौला-हसनपुर स्थित किसान सहकारी चीनी मिल में प्रवेश करते ही जिलाधिकारी ने सबसे पहले चल रहे रिपेयर और मेंटेनेंस कार्यों की गहन समीक्षा की। यहां प्रभारी मुख्य अभियंता ने मिल के उपकरणों की स्थिति, उनकी कार्यप्रणाली और मरम्मत की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। केन कैरियर की चैन से लेकर लेबलर, कटर, फाइब्राइजर और मिलिंग सिस्टम तक हर इकाई को बारीकी से समझाया गया। बताया गया कि इस समय मिल में उपकरणों की डिस्मेंटलिंग का कार्य तेज गति से चल रहा है और करीब 75 से 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

निरीक्षण के दौरान ब्वॉयलिंग हाउस भी चर्चा का केंद्र रहा। मुख्य रसायनविद् ने जिलाधिकारी को गन्ने के रस से चीनी बनने की पूरी प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि मिलिंग के बाद प्राप्त जूस को ҅मिल्क ऑफ लाइम҆ और सल्फर के उपयोग से शुद्ध किया जाता है, जिसके बाद उसे आगे प्रोसेस कर चीनी में बदला जाता है। वर्तमान में ब्वॉयलिंग हाउस के उपकरणों की धुलाई और इवेपोरेटर बॉडीज की सफाई का काम चल रहा है। डीएम ने इस प्रगति पर संतोष जताया, लेकिन साथ ही गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने मिल प्रबंधन को स्पष्ट शब्दों में कहा कि वित्तीय अनुशासन और मितव्ययता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने तकनीकी परिणामों की नियमित समीक्षा करने और उत्पादन में सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि यदि मिल को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है तो संसाधनों का सही उपयोग और बेहतर प्रबंधन जरूरी है।

इसके बाद डीएम का काफिला त्रिवेणी ग्रुप की चीनी मिल, चन्दनपुर पहुंचा। यहां उन्होंने केन कैरियर से लेकर मिल हाउस और ब्वॉयलिंग हाउस तक में चल रहे मेंटेनेंस कार्यों का निरीक्षण किया। मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने विभिन्न विभागों और मशीनों की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी पेराई सत्र को देखते हुए सभी उपकरणों को बेहतर स्थिति में लाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।

चन्दनपुर मिल में चल रहे कार्यों को देखकर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया और प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते मेंटेनेंस पूरा करना ही अगले सीजन में बेहतर उत्पादन की कुंजी है। निरीक्षण के दौरान मिल के सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे और उन्होंने अपने-अपने विभाग की प्रगति से डीएम को अवगत कराया।

इस पूरे निरीक्षण अभियान के दौरान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, जिला गन्ना अधिकारी, प्रधान प्रबंधक गुलशन, मुख्य रसायनविद् दिलीप सोलंकी, प्रभारी मुख्य अभियंता वैभव सिंह, मुख्य लेखाकार मेवालाल पासी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। कुल मिलाकर, डीएम का यह दौरा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि चीनी मिलों की कार्यप्रणाली को सुधारने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में एक सख्त संदेश भी था–अब लापरवाही नहीं, बल्कि परिणाम चाहिए।

मासूमों की हिफाजत पर मंथन: अमरोहा में पॉक्सो एक्ट पर जागरूकता की संवेदनशील क्लास

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों की रोकथाम और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से जनपद न्यायालय परिसर में एक अहम कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पॉक्सो एक्ट और सपोर्ट पर्सन की भूमिका पर गहन चर्चा की गई। कार्यशाला ने न सिर्फ कानून की बारीकियों को उजागर किया, बल्कि यह भी बताया कि संवेदनशील मामलों में इंसानियत और सहयोग कितने जरूरी हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष विवेक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पॉक्सो अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने वाला एक सशक्त कानून है, लेकिन इसकी सफलता तभी संभव है जब सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में त्वरित सुनवाई, पीड़ित की गोपनीयता और गरिमा की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज में जागरूकता का अभाव कई बार अपराधियों को बढ़ावा देता है। यदि लोग समय रहते घटनाओं की सूचना दें और बच्चों के अधिकारों के प्रति सजग रहें, तो ऐसे अपराधों पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। न्यायपालिका, पुलिस, प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं के साझा प्रयास से ही इस दिशा में ठोस परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता अपर जिला जज हेमलता त्यागी ने पॉक्सो एक्ट के कानूनी प्रावधानों, न्यायिक प्रक्रिया और साक्ष्य संकलन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से सपोर्ट पर्सन की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह व्यक्ति पीड़ित बच्चे के लिए सहारा बनता है, जो उसे न्यायिक प्रक्रिया के दौरान मानसिक, सामाजिक और व्यवहारिक सहयोग प्रदान करता है। इससे बच्चा बिना भय के अपनी बात अदालत में रख पाता है।

उन्होंने बताया कि सपोर्ट पर्सन की जिम्मेदारी केवल कोर्ट तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह पीड़ित और उसके परिवार को सरकारी योजनाओं, काउंसलिंग और अन्य आवश्यक सहायता की जानकारी भी देता है। इस प्रकार वह न्याय प्रक्रिया को सहज और मानवीय बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

अपर जिला जज अरविंद कुमार शुक्ला ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पॉक्सो मामलों में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे बाल अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और हर मामले को गंभीरता से लें।

कार्यशाला में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि, बाल कल्याण समिति के सदस्य, महिला कल्याण विभाग के अधिकारी तथा पराविधिक स्वयंसेवक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रतिभागियों ने विषय से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से समाधान किया।

अंत में प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता अभियानों को जारी रखने का संकल्प लिया गया।

कड़ी निगरानी में होगी होमगार्ड भर्ती परीक्षा: 10 केंद्रों पर 28 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में होने वाली होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन ने पूरी तरह कमर कस ली है। जिलाधिकारी डाक्टर नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन कराने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव भी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि 25, 26 और 27 अप्रैल को जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में होगी, जिसमें प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इस प्रकार कुल 28,224 अभ्यर्थी परीक्षा में हिस्सा लेंगे। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

कलेक्ट्रेट में बैठक के दौरान परीक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा करते डीएम नितिन गौड़ व एसपी लखन सिंह यादव।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता, सतर्कता और अनुशासन के साथ करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता से समझौता नहीं किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही, सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। महिला अभ्यर्थियों की जांच केवल महिला कर्मियों द्वारा ही कराई जाएगी। परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, कैमरा सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। अभ्यर्थियों को केवल पेन, प्रवेश पत्र और पहचान पत्र के साथ ही प्रवेश की अनुमति होगी। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर एंबुलेंस और मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा पेयजल, बिजली और प्रकाश व्यवस्था को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को परीक्षा से पहले केंद्रों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के लिए कहा गया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष योजना तैयार की गई है, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही पार्किंग व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि परीक्षा को हर हाल में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराया जाएगा।

अमरोहा पुलिस का बड़ा कमाल, 149 चेहरों पर मुस्कान

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में गुम हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान ने सैकड़ों परिवारों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौटा दी। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के नेतृत्व में जनपदीय साइबर सेल और थानों की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने शानदार कार्य करते हुए कुल 149 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 28 लाख रुपये बताई जा रही है।

मंगलवार को पुलिस कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्वयं मोबाइल स्वामियों को उनके फोन सुपुर्द किए। अपना खोया मोबाइल वापस पाकर लोगों की खुशी देखते ही बन रही थी। कई लोगों ने भावुक होकर अमरोहा पुलिस का आभार जताया और इस पहल को बेहद सराहनीय बताया। पुलिस की इस सफलता के पीछे सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल और सर्विलांस की अहम भूमिका रही। भारत सरकार द्वारा संचालित यह पोर्टल गुम या चोरी हुए मोबाइल फोनों की ट्रैकिंग और दुरुपयोग रोकने में मददगार साबित हो रहा है। इसी तकनीक के जरिए पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए बड़ी संख्या में मोबाइल रिकवर किए।

अभियान पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में चलाया गया। इसमें जनपदीय साइबर सेल के साथ-साथ विभिन्न थानों की टीमों ने सक्रिय भूमिका निभाई। बरामदगी में साइबर सेल ने 40 मोबाइल, सैदनगली ने 30, अमरोहा देहात ने 16, अमरोहा नगर व डिडौली ने 10-10, रजबपुर ने 8, आदमपुर व नौगावां सादात ने 7-7, गजरौला व मंडी धनौरा ने 5-5, हसनपुर व रहरा ने 4-4 तथा बछरायूं ने 3 मोबाइल बरामद किए।

अमरोहा पुलिस की इस कार्रवाई की आमजन में व्यापक सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि इस तरह की पहल न केवल लोगों का भरोसा बढ़ाती है, बल्कि अपराधियों पर भी सख्त संदेश देती है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत उएक्फ़पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बिजली लाइन की चिंगारी से 7 बीघा गन्ना जलकर राख, लाखों का नुकसान

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडोली। थाना क्षेत्र के गांव चुबका में एक हादसे ने किसान की मेहनत पर पानी फेर दिया। गांव निवासी रामवीर सिंह, पुत्र हरलाल सिंह, के 7 बीघा गन्ने के खेत में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरी फसल जलकर राख हो गई। इस घटना से किसान को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा बिजली की लाइन के नीचे हुआ। बताया जा रहा है कि पास के एक पेड़ की टहनी तेज हवा के कारण बिजली के तारों पर गिर गई। इससे दोनों तार आपस में टकरा गए और चिंगारी निकलने लगी। यही चिंगारी नीचे खड़े सूखे गन्ने के पत्तों पर गिरी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि ग्रामीणों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। कुछ ही मिनटों में पूरा खेत आग की लपटों में घिर गया। स्थानीय लोगों ने बाल्टियों और ट्यूबवेल के पानी से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गन्ने की पूरी फसल जल चुकी थी। रामवीर सिंह का कहना है कि इस फसल से उन्हें इस साल अच्छी आमदनी की उम्मीद थी, लेकिन इस हादसे ने उनकी सारी उम्मीदों को खत्म कर दिया। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते पेड़ों की छंटाई और लाइन की देखरेख की जाती, तो इस तरह की घटना टाली जा सकती थी। यह घटना न केवल एक किसान के नुकसान की कहानी है, बल्कि यह बिजली व्यवस्था की अनदेखी का भी गंभीर उदाहरण है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन पीड़ित किसान की कितनी मदद करता है और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

रफ्तार का कहर: बेटे के सामने माँ की दर्दनाक मौत, बहू-पोता जिंदगी से जूझ रहे

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली/सम्भल। मंगलवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। डिडौली निवासी महिला की जनपद सम्भल के थाना असमोली क्षेत्र में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका बेटा, बहू और मासूम पोता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार डिडौली निवासी नईम अपनी मां रेसाना, पत्नी रुक्सार और छोटे बेटे के साथ बाइक से अपनी ससुराल गांव रायमदाला जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक गांव के पास पहुंची, पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे बजरी से लदे डम्फर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर पीछे बैठी रेसाना सड़क पर गिर गईं और डम्फर के पहिए के नीचे आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में नईम, उसकी पत्नी रुक्सार और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

घटना के बाद मृतका के घर में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, गांव के लोगों में भी गहरा दुख और आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से नियंत्रण लगाने और दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर डम्फर चालक की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिला से छेड़छाड़ का आरोप, विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी।

कोतवाली देहात। ग्राम मिजार्पुर महेश उर्फ बांकपुर में एक महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है।पीड़ित के पति भीम सिंह ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया कि पड़ोसी युवक हेमंत उर्फ मंटू काफी समय से उसकी पत्नी पर गलत नजर रखे हुए था और अश्लील इशारे करता था। बताया कि 18 अप्रैल की सुबह घर पर महिला को अकेल पाकर आरोपी घर में घुस गया और उसके साथ गलत हरकत करते हुए छेड़छाड़ की।महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।पीड़ित का आरोप है कि शिकायत करने पर आरोपी के पिता ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

युवती के अपहरण का आरोप,परिजनों ने लगाई बरामदगी की गुहार

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। थाना क्षेत्र के एक गांव से युवती के गायब होने के मामले में नया मोड़ सामने आया है। परिजनों ने गांव के ही युवक और उसके परिवार पर बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।सोमपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री 28 मार्च की रात को संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थी।अगले दिन 29 मार्च को गुमशुदगी दर्ज कराई गई,लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है।पीड़ित का आरोप है कि गांव का ही युवक नितिन कुमार पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है।इस मामले में नितिन के भाई,पिता,भाभी तथा अन्य परिजनों पर भी सहयोग करने का आरोप लगाया गया है।सोमपाल सिंह का कहना है कि जब उन्होंने आरोपियों के परिवार से बेटी को वापस करने की बात कही,तो उनके साथ गाली गलौज की गई और जान से मारने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई।

अब नहीं चलेगी दबंगई: रहरा पुलिस का एक्शन, गुंडा एक्ट में कसा शिकंजा

दैनिक बुलंद मंज़िल/ सर्वेश यादव

अमरोहा। जनपद में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए अमरोहा पुलिस ने एक बार फिर सख्त कदम उठाते हुए शातिर अपराधी पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रहरा पुलिस ने गांव पोरारा निवासी सुनील के खिलाफ 3/4 गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे कानून के दायरे में लाने का काम किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी सुनील लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है और क्षेत्र में उसकी छवि एक दबंग व भय पैदा करने वाले व्यक्ति की बन चुकी थी।

लखन सिंह यादव पुलिस अधीक्षक अमरोहा

स्थानीय लोगों में उसके व्यवहार को लेकर असंतोष था, जिससे इलाके की शांति व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा था। पुलिस के रिकॉर्ड में भी उसके खिलाफ पूर्व में कई शिकायतें और आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण में थाना रहरा पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई कर उनके प्रभाव को खत्म करना जरूरी है, ताकि आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। गुंडा एक्ट के तहत की गई यह कार्रवाई न केवल आरोपी की गतिविधियों पर लगाम लगाएगी, बल्कि अन्य अपराधियों के लिए भी एक सख्त संदेश साबित होगी कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस का साफ कहना है कि जनपद में अपराध करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इसी तरह सख्ती जारी रही तो क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल और मजबूत होगा। अमरोहा पुलिस का यह कदम साफ संकेत दे रहा है कि अब अपराधियों के दिन गिनती के रह गए हैं और कानून का डंडा लगातार उनके पीछे है।

ड्यूटी में राहत को लेकर शिक्षक एकजुट, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। जनपद में जनगणना 2027 की तैयारियों के बीच शिक्षकों की समस्याएं अब प्रशासनिक स्तर तक पहुंच गई हैं। भाकियू शिक्षक प्रकोष्ठ, अमरोहा के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को तहसीलदार/जनगणना प्रभारी, हसनपुर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर ड्यूटी व्यवस्था में व्यावहारिक बदलाव की मांग उठाई।

ज्ञापन में विशेष रूप से गर्भवती, दिव्यांग और अस्वस्थ शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी से छूट देने की मांग प्रमुख रही। इसके साथ ही शिक्षकों की ड्यूटी उनके कार्यस्थल या नजदीकी क्षेत्र में लगाने, पति-पत्नी दोनों की एक साथ ड्यूटी न लगाने तथा प्रधानाध्यापकों को इस प्रक्रिया से मुक्त रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठाए गए। संगठन का कहना है कि इन परिस्थितियों में ड्यूटी निभाना कई शिक्षकों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

तहसीलदार ने ज्ञापन पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए सभी बिंदुओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि विशेष श्रेणी के शिक्षकों को उनके आवेदन के आधार पर राहत दी जाएगी और अधिकतम प्रयास किया जाएगा कि शिक्षकों की ड्यूटी उनके सेवारत स्थल या आसपास ही लगाई जाए।

इस दौरान पंकज चाहल (जिला महामंत्री), हेमराज कोहली (ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी), अंचल सिंह, मंजीत सिंह, अजीत सिंह, मनोज मावी, जुबैर आलम, अरविंद कुमार और विपिन यादव समेत कई शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी मांगों पर जल्द ठोस निर्णय लेकर राहत देगा।

जनसुनवाई में दिखा एक्शन मोड, एसपी बोले– लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिनमें भूमि विवाद, मारपीट, घरेलू कलह, धोखाधड़ी सहित अन्य मामले शामिल रहे।

एसपी लखन सिंह यादव ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे प्राप्त शिकायतों पर निष्पक्ष जांच करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित करें। साथ ही लंबित मामलों की समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण करने पर जोर दिया गया।

एसपी ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम जनता और पुलिस के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, जिससे लोगों की समस्याओं का समाधान पारदर्शी और प्रभावी तरीके से हो सके। उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों पर उचित कार्यवाही की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने शिकायतों को दर्ज कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की।

बाइक सवार दबंगों की दरिंदगी: युवती को खींच ले जाकर रेप की कोशिश, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी युवती ने थाना गजरौला में दी गई लिखित तहरीर में बताया कि 18 अप्रैल की रात करीब 9 बजे वह अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में दो युवकों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने उसे धमकाते हुए जबरन एक मोहल्ला की ओर ले जाने की कोशिश की और उसके साथ अभद्रता करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों में से एक ने उसके हाथ में चोट पहुंचाई, जबकि दूसरे ने उसके कपड़े फाड़ दिए। युवती ने बताया कि शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिससे उसकी जान बच सकी। इसी बीच उसकी मौसी भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन पीड़िता ने आरोप लगाया कि मौसी और उसके परिजनों ने भी उसके साथ मारपीट की और पूरी घटना में उनकी भूमिका संदिग्ध है।

पीड़िता ने दोनों आरोपियों की पहचान जाने आलम और तनवीर के रूप में की है, जो एक बाइक पर सवार थे। उसने आरोप लगाया कि आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद से युवती और उसका परिवार भय के साये में जी रहा है और घर से बाहर निकलने से कतरा रहा है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री हनुमान जी के जयकारों से गूंजा श्री हरि मंदिर बरेली

बुलन्द मंज़िल

श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन बरेली में आज 21/04/26 मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है । शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छाबड़ा ने है दुःख भंजन मारुति नंदन.........,संजय आनन्द ने मंगल मूर्ति राम।दुलारे..........,पंकज नेआज मंगलवार है ....,सचिन सेठी ने कीजे केसरी के लाल ....और भाई सौरभ ने राम भी मिलेगे तुझे श्याम भी मिलेगे..........जतिन दुआ ने झूम झूम नाचे देखो भक्त हनुमान ....आदि आदि भजनों से सारा श्री हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है,जिस में सभी आयु वर्ग में लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होना विशेष है। आज के कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,अतुल कपूर,हरीश लुनियाल, राजेश अरोरा,गिरीश आनन्द,वा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा भी अपनी टीम के साथ शामिल रही। युवा मंडल के सदस्यों ने प्रसाद वितरण की सेवा की। समापन पर मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया और सभी भक्तजनों को भंडारा प्रसाद वितरण किया

सिपाही की गर्भवती पत्नी पर अभद्र टिप्पणी करना पड़ी भारी, हटाए गए प्रेमनगर इंस्पेक्टर

बुलन्द मंज़िल

बरेली। सिपाही की गर्भवती पत्नी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना प्रेमनगर इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह यादव को भारी पड़ गया। मामले की जानकारी मिलते ही एसएसपी अनुराग आर्य ने सख्त रुख अपनाया और तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके पद से हटा दिया गया।

ड्यूटी के दौरान हुआ विवाद, थाने में गूंजे आपत्तिजनक शब्द

जानकारी के मुताबिक 16 अप्रैल की रात सिपाही सीसीटीएनएस ड्यूटी पर था। इसी दौरान इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह यादव ने उसे बुलाकर सौंपे गए कार्य के बारे में पूछताछ की। सिपाही ने काम करने की बात कही, लेकिन इसी बीच इंस्पेक्टर का पारा चढ़ गया और उन्होंने सिपाही की गर्भवती पत्नी को लेकर अभद्र टिप्पणी कर दी। यह सब कुछ थाने के अन्य पुलिसकर्मियों के सामने हुआ, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

आहत सिपाही ने दर्ज कराई शिकायत, एसएसपी ने दिखाई सख्ती

सार्वजनिक रूप से हुई इस टिप्पणी से आहत सिपाही ने पूरा मामला थाना रजिस्टर में दर्ज कराया। शिकायत जैसे ही एसएसपी अनुराग आर्य तक पहुंची, उन्होंने बिना देर किए कार्रवाई की। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह यादव से तत्काल चार्ज छीन लिया गया और उन्हें प्रेमनगर थाने का ही इंस्पेक्टर क्राइम बना दिया गया।

महिला सशक्तीकरण का संदेश, एएसपी अंजना दहिया को सौंपी कमान

इस पूरे घटनाक्रम के बीच पुलिस विभाग ने एक सख्त संदेश देने की कोशिश की है। प्रेमनगर थाने की जिम्मेदारी अब एएसपी अंजना दहिया को सौंपी गई है। यह कदम न केवल अनुशासन बनाए रखने बल्कि महिला सम्मान और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के तौर पर भी देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि जिस महिला को लेकर टिप्पणी की गई, वह खुद पुलिस विभाग में तैनात हैं और इन दिनों मातृत्व अवकाश पर हैं। घटना के बाद पुलिस महकमे में चर्चा तेज है और इस कार्रवाई को एक उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है।

संजीव कुमार पाण्डेय बने सरस्वती शिशु मंदिर नैनीताल मार्ग बरेली के प्रधानाचार्य

बुलन्द मंज़िल

बरेली। शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश द्वारा संचालित विद्या भारती के विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर नैनीताल मार्ग बरेली में प्रांतीय आदेशानुसार नवागत प्रधानाचार्य संजीव कुमार पाण्डेय जो अब तक सरस्वती शिशु मंदिर फरीदपुर के प्रधानाचार्य थे, उन्होंने आज विद्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। ज्ञात रहे अब तक कार्यरत प्रधानाचार्य सुनील कुमार सिंह विगत 31 मार्च को अवकाश प्राप्त हो गए थे उन्होंने पटका पहनाकर स्वागत किया। श्री पाण्डेय के कार्यभार ग्रहण करने पर विद्यालय व्यवस्थापक दिनेश मलिक सहित पूरी प्रबंध समिति एवं आचार्य परिवार ने हर्ष व्यक्त किया और आशा व्यक्त की विद्यालय आशानुरूप दिनों दिन प्रगति की ओर अग्रेषित होगा।

आंवला में अग्निकांड पीड़ित परिवारों से मिले सांसद नीरज मौर्य, हर संभव मदद का दिया भरोसा

आंवला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ढकिया में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवारों से आंवला सांसद नीरज मौर्य ने मुलाकात की। इस हादसे में धारा सिंह लोधी, शिवकुमार और मुंशीलाल के घरों में आग लगने से पशुओं की मृत्यु हो गई थी, जबकि घर में रखा अनाज भी जलकर नष्ट हो गया था।

सांसद नीरज मौर्य ने पीड़ित परिवारों से मिलकर घटना की जानकारी ली और उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में वे पीड़ितों के साथ खड़े हैं और उन्हें राहत दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेता पीयूष वर्मा, डॉ. नरेंद्र गौतम सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। नेताओं ने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया और प्रशासन से त्वरित राहत उपलब्ध कराने की मांग की।

अग्निकांड से प्रभावित परिवारों ने सांसद से मुलाकात के दौरान अपनी व्यथा साझा की और नुकसान की भरपाई के लिए सहायता की अपेक्षा जताई। स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर ग्रामीणों में भी गहरा दुख और चिंता देखी गई।

झपकी बनी जानलेवा

डिवाइडर से टकराई कार, हीरालाल की मौत, 7 घायल

बुलन्द मंज़िल

बरेली। जनपद में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के गांव मीरपुर निवासी 30 वर्षीय हीरालाल की कार दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक हीरालाल सोमवार शाम अपने परिवार व गांव के अन्य लोगों के साथ किराए की कार से कैंट थाना क्षेत्र के बभिया में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। मंगलवार सुबह जब सभी लोग वापस लौट रहे थे, तभी सीबीगंज थाना क्षेत्र के परसा खेड़ा रोड नंबर-4 के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई।

मौके पर ही मौत, कई घायल

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हीरालाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कार में सवार 6-7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, वहीं घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

झपकी बनी हादसे की वजह! परिजनों के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई जा रही है कि चालक को नींद की झपकी आ गई, जिसके चलते कार डिवाइडर से टकरा गई। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसे की खबर मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। पत्नी तारावती का रो-रोकर बुरा हाल है। हीरालाल अपने पीछे तीन मासूम बच्चों को छोड़ गया है। वह टेंपो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

गंज पुलिस ने चाईनीज मांझे से पतंग उडाते हुए एक आरोपी किया गिरफ्तार मचा हड़कंप

शाहबाद में कोतवाल ने भी चलाया चेकिंग अभियान , सख्त निर्देश

बुलन्द मंज़िल/विनोद गुप्ता

रामपुर । पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना, रामपुर द्वारा चाइनीज मांझे के प्रयोग/बिक्री के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह, रामपुर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना गंज पुलिस द्वारा दिनांक 20.04.2026 को चैकिंग के दौरान तालिब पुत्र मुन्नन निवासी पंखेवालान थाना गंज जनपद रामपुर को ग्राम बगी से बिलासपुर गेट आने वाले हाईवे के किनारे खेत में से चाईनीज मांझे का प्रयोग कर पतंग उडाते समय गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना गंज पर संबंधित धाराओं में बीएनएस पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई । तहसील शाहबाद के कस्बे में कोतवाल प्रदीप कुमार के द्वारा अपनी पुलिस फोर्स के साथ चाइनीस मांझे पतंग की दुकानों पर चेकिंग की गई एवं सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया।

बरेली को मिला 1090 करोड़ का सुपर डोज, सड़क-रोशनी-पानी से बदलेगा शहर का चेहरा

बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर के समग्र विकास को नई दिशा देते हुए नगर निगम ने 1090 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट सर्वसम्मति से पास कर दिया। मंगलवार को महापौर डॉ. उमेश गौतम की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव बिना किसी विरोध के मंजूर हुआ। इसे शहर के लिए अब तक का सबसे बड़ा और संतुलित बजट माना जा रहा है, जिसमें बुनियादी सुविधाओं से लेकर सौंदर्यीकरण तक पर खास जोर दिया गया है।

इस बजट में शहर की सड़कों के निर्माण के लिए 120 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, शहर को जगमग करने के लिए 30 हजार नई स्ट्रीट लाइटें लगाने की योजना को मंजूरी मिली है। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से हर वार्ड में 300 से अधिक लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे अंधेरे वाले क्षेत्रों में सुरक्षा और आवाजाही दोनों बेहतर होगी। इसके अलावा शहर की सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए टू-डोर कूड़ा कलेक्शन पर 15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके जरिए हर घर से नियमित कूड़ा उठान सुनिश्चित करने की योजना है, जिससे शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सके।

हर गली तक पानी और सीवर का लक्ष्य

नगर निगम ने पेयजल और सीवर लाइन को हर गली तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए बजट में 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त राशि भी खर्च की जाएगी, ताकि जलभराव और पेयजल संकट जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके। वहीं शहर को हरित और सुंदर बनाने के लिए 330 पार्कों के सौंदर्यीकरण पर 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, ग्रीन बरेली और मुख्यमंत्री ग्रिड योजना के तहत 40 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है, जिससे शहर की सूरत बदलने की तैयारी है।

सीबीगंज में जल्द शुरू होगी नंदीशाला

बैठक में तय किया गया कि सीबीगंज क्षेत्र में दो माह के भीतर नंदीशाला का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए दो एजेंसियों का चयन किया गया है, जो नसबंदी अभियान चलाएंगी। बंदरों की समस्या के समाधान के लिए वन विभाग भी अभियान चलाएगा। नगर निगम ने अपनी आय बढ़ाने के लिए भी बड़ा लक्ष्य तय किया है। अब 600 करोड़ के मुकाबले 750 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य रखा गया है, जिससे विकास कार्यों को और गति मिलेगी।

महापौर का दावा, धरातल पर दिखेगा बदलाव

महापौर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि यह बजट शहर के हर क्षेत्र को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। लक्ष्य सिर्फ बजट पास करना नहीं, बल्कि उसे जमीन पर उतारना है। हर वार्ड में सड़क, पानी, सीवर और रोशनी की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी, ताकि बरेली को स्मार्ट और व्यवस्थित शहर बनाया जा सके। बैठक में नगर आयुक्त संजीव मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय, मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी समेत कई अधिकारी और पार्षद मौजूद रहे।

डी एम एवं एस पी ने आगामी होमगार्ड भर्ती/परीक्षा को लेकर की गोष्ठी

बुलन्द मंज़िल/विनोद गुप्ता

रामपुर। मंगलवार को डी एम अजय कुमार द्विवेदी संग एसपी सोमेंद्र मीना के द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में आगामी होमगार्ड परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में एडिशनल एसपी अनुराग सिंह, रामपुर, जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्रों के प्रधानाचार्य/प्रिंसिपल, नामित मजिस्ट्रेट तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।गोष्ठी के दौरान परीक्षा की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सभी अधिकारियों को उनके दायित्वों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराने हेतु प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की सक्रिय निगरानी, प्रवेश पत्रों की गहन जांच तथा संदिग्ध व्यक्तियों/गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त परीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने, अभ्यर्थियों को समय से परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए भी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

अंत में सभी संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ करने के निर्देश दिए गए, जिससे परीक्षा सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराई जा सके ।

संपूर्ण समाधान दिवस की शिकायत को हल्के में ले रहे कर्मचारी

नाला एवं स्लिप टूटने से लोगों को भारी दिक्कत , शिकायत

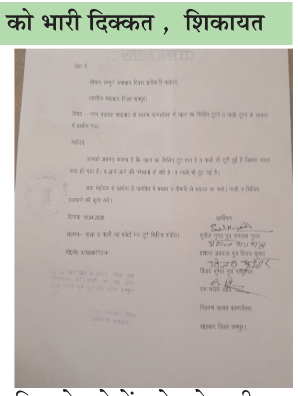

बुलन्द मंज़िल

शाहबाद रामपुर। मामला नगर पंचायत शाहबाद के सत्यम कंपलेक्स का है जहां पर सत्यम कंपलेक्स निवासियों के द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत की गई थी परंतु जिस पर कोई भी अमल नहीं किया गया है शिकायतकर्ताओं ने मीडिया को बताया कि इस बात का इंतजार कर रहे थे कि आज सही हो जाए गा परंतु कई दिन से भारी समस्या का सामना उठाना पड़ रहा है जिससे सत्यम कंपलेक्स के लोगों को भारी समस्या उठानी पड़ रही है शिकायत कर्ताओ का कहना है कि जल्द ही इसको सही कराया जाए जिससे लोगों को परेशानी ना हो शिकायत करने वालों में सुनील गुप्ता, प्रशांत अग्रवाल, विजय कुमार , राम भरोसे आदि लोगों ने संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी जहां से आदेश जारी हो गया था लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

पुलिस लाइन रामपुर में एडिशनल एसपी ने किया परेड का निरीक्षण

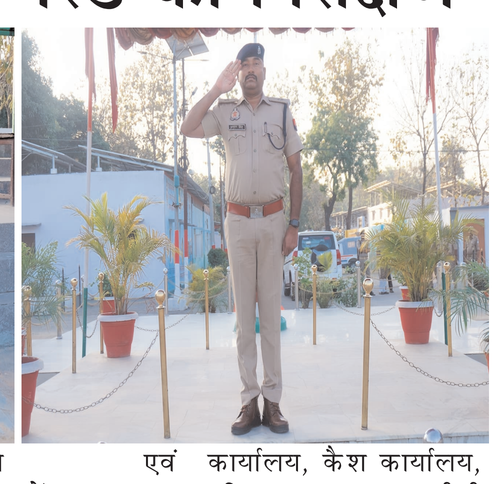

बुलन्द मंज़िल/विनोद गुप्ता

रामपुर। मंगलवार को एडिशनल एसपी अनुराग सिंह द्वारा परेड की सलामी लेकर रिजर्व पुलिस लाइन, रामपुर का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान परेड में मौजूद महिला प्रशिक्षुओ एवं कर्मचारीगणों का टर्नआउट आदि चैक कर रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में स्थित भोजनालय, रीडिंग रुम (लाइब्रेरी), कैन्टीन, मनोरंजन कक्ष, म्यूजियम, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, आरटीसी आदि की व्यवस्थाओं आदि का निरीक्षण कर पुलिस लाइन परिसर की साफ-सफाई आदि को चैक कर संबांधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये ।

समिति ने मनाई गुरु शंकराचार्य व महाकवि सूरदास जी की जयंती

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। महापुरुष स्मारक समिति एवम सर्व समाज जागरूकता अभियान भारत के संयुक्त तत्वावधान में आदि गुरु शंकराचार्य (आद्य गुरु शंकराचार्य)जी की जयंती एवम महाकवि सूरदास जी की जयंती (बैशाख शुक्ल पक्ष की पंचमी) को सीता रोड स्थित नीलम हॉस्पिटल में समारोह पूर्वक धूमधाम से मनाई गई।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने दोनों चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मंत्रोच्चारण से पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ

किया। अध्यक्षता डॉक्टर महेश कुमार गुप्ता (चेयरमैन हॉस्पिटल)ने की। संचालन डॉक्टर अरविन्द कुमार गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी अद्वैत वेदांत के प्रणेता, संस्कृत के विद्वान, उपनिषद व्याख्याता और हिन्दू धर्म के प्रचारक, सनातन धर्म संस्कृति के रक्षक थे। उन्हें भगवान शंकर का अवतार माना जाता है। आदि गुरु शंकराचार्य ने पूरे भारत की यात्रा की, आदि गुरु के जीवन का अधिकांश भाग उत्तर भारत में बीता , चार पीठों की स्थापना करना मुख्य रुप से उल्लेखनीय कार्य था। उन्होंने कई ग्रंथ लिखे किंतु उनका दर्शन, उपनिषद, ब्रह्म सूत्र और गीता पर लिखे भाष्यो में मिलता है। आदि गुरु शंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों पर चार मठों की स्थापना की ,इसके अलावा पूरे देश मे बारह ज्योतिर्लिंग की भी स्थापना की थी। आदि गुरु शंकराचार्य को अद्वैत परम्परा का प्रवर्तक माना जाता है। आदि गुरु शंकराचार्य ने अखाड़ों की स्थापना की जिसमें आज भी महामंडलेश्वर बनाए जाते हैं जो कि कुंभ में सबसे पहले शाही स्नान करते हैं। आज भी उनके द्वारा चारों पीठों पर शंकराचार्य की नियुक्ति के लिए त्यागी स्वभाव के ब्राह्मण , ब्रह्मचारी, दंडी संन्यासी, संस्कृत, चतुर्वेद, वेदांत और पुराणों का ज्ञाता ही बनाया जाता है। अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर महेश कुमार गुप्ता एवं संचालक डॉक्टर अरविन्द कुमार गुप्ता , पण्डित सुरेश चंद्र शर्मा, डॉक्टर निशा गुप्ता, डॉक्टर नितिन कौशिक, अंकित बार्ष्णेय, पंकज अग्रवाल, हिमांशु यादव, विकास यादव, अवधेश कुमार, अश्विनी शर्मा, सरोज कुमारी, सपना, शोभा यादव, ज्योति आदि ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में शिवकुमार, खेमपाल, अन्नू, नन्हे, श्री देवी, गीता देवी, अनुपम, जगतपाल, राखी, सुमित कुमार, कांति, अमर सिंह, विजय पाल सिंह, लक्ष्मी देवी, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

स्क्रीन टाइम कम करने में माता -पिता और समाज की हो सकती है महत्वपूर्ण भूमिका - शरद शर्मा

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। मंगलवार को राजेश कुमार सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज चन्दौसी की एन एस एस इकाई द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया। जिसका विषय स्क्रीन टाइम कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका था । विचार गोष्ठी में स्वयंसेवक सिद्धार्थ ने कहा कि इसमें माता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है माता हर वक्त घर रहतीं हैं इसलिए वे निगरानी और टोका टाकी कर सकती हैं। स्वयंसेवक देव चौधरी ने कहा कि समाज के जिम्मेदार लोगों को भी इस विषय पर बोलना चाहिए और लोगों को जागरूक करने का

काम करना चाहिए। गोष्ठी में अंशु, अभिषेक, आकाश गिरी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अंत में कार्यक्रम अधिकारी शरद शर्मा ने कहा कि स्क्रीन टाइम कम करने में माता -पिता और समाज की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, माता - पिता के सहयोग के बिना छात्रों का स्क्रीन टाइम कम नहीं किया जा सकता इसके लिए उन्होंने एक जागरूकता अभियान चलाकर माता -पिता से संपर्क कर उन्हें इस बारे में जागरूक करने पर भी विचार व्यक्त किया।

बीमा धनराशि देने से इंकार करना डाक विभाग को पड़ा भारी

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। बीमा धनराशि देने से इंकार करना डाक विभाग को पड़ा भारी ग्राम करनपुर कास्त निवासी गौतम की मां शकुन्तला ने अपने जीवन काल में डाक विभाग से एक ग्रामीण डाक जीवन सुरक्षा बीमा पॉलिसी 8 मार्च 2022 को बीमा धनराशि रुपए 10 लाख की क्रय की थी। जिनकी मृत्यु 19 फरवरी 2023 को हो गई । बीमा पालिसी में नामित उनका पुत्र गौतम ने समस्त औपचारिकता पूर्ण कर बीमा धनराशि देने के लिए डाक जीवन बीमा से किया तो विभाग द्वारा उसे बीमा धनराशि देने से इंकार कर दिया कि आपके पड़ोसियों ने बताया कि मृतक शकुन्तला पिछले काफी समय से बीमार रहती थी। उनका पेट फूला रहता था उनको कोई अंदुरूनी बीमारी थी तो गौतम ने समस्त बातें उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय को बताई तो अधिवक्ता ने एक परिवाद जिला उपभोक्ता

आयोग सम्भल में दाखिल किया। जहां आयोग ने ग्रामीण डाक जीवन बीमा को तलब किया तो ग्रामीण डाक जीवन बीमा की ओर से अपनी बातों को पुनः दोहराया गया और पड़ोसियों के बयान भी सबूत के तौर पर दाखिल किए गए।तब अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय द्वारा उसका विरोध किया गया और आयोग को अवगत कराया कि जब तक कोई डाक्टरी परीक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की जाती तब तक किसी को बीमार घोषित नहीं किया जा सकता है। ऐसी दशा में बीमा कम्पनी मात्र पड़ोसियों के कहने पर बीमा धनराशि देने से इंकार नहीं कर सकती हैं। आयोग ने दोनों पक्षों को सुना और अपना निर्णय देते हुए विपक्षी ग्रामीण डाक जीवन बीमा निगम को आदेशित किया कि वह परिवादी को बीमा धनराशि मुबलिग 1000000 दस लाख रु उस पर परिवाद संस्थान की तिथि से 7% वार्षिक ब्याज सहित अंदर दो माह में अदा करें। इसके अलावा विपक्षीगण परिवादी को मुबलिग 10000 दस हजार रुपए मानसिक कष्ट व आर्थिक हानि के मद में तथा ?5000 बाद व्यय के मद में भी अदा करेंगे । नियत अवधि में धनराशि न अदा किए जाने की दशा में ब्याज 9% वार्षिक की दर से देय होगा ।

एबीसी किड्ज मांटेसरी स्कूल में जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लौटे बच्चों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर किया सम्मानित

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। एबीसी किड्ज मांटेसरी स्कूल में जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लौटे बच्चों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। बच्चों को यह सम्मान विद्यालय की संचालिका संगीता भार्गव द्वारा प्रदान किया गया। एबीसी किड्ज मांटेसरी स्कूल के बच्चों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया और अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। यह प्रतियोगिता रविवार, 19 अप्रैल 2026 को मुरादाबाद के एस.एस. चिल्ड्रेन एकेडमी, कांठ रोड में आयोजित की गई। जिसमें जिले भर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन देवेंद्र राणा द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में चन्दौसी से कुल 14 बच्चों की टीम शामिल हुई, जिनमें से 11 बच्चे एबीसी किड्ज मांटेसरी स्कूल के थे। सभी प्रतिभागियों ने स्केटिंग में बेहतरीन संतुलन,

गति और तकनीक का प्रदर्शन करते हुए निर्णायकों और दर्शकों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों मे अनाशवी अग्रवाल, मयेशा मयंक, विवान वार्ष्णेय, मयेशा वार्ष्णेय, ऐश चौधरी, दिव्यांशी, देवांश, शुभ, आयांश सांगवान, अधर्ब चौहान, अव्यान मिश्रा, सांची, आर्यांश और अहमद रजा आदि शामिल रहे। जिनमे प्रथम स्थान पर आर्यन सांगवान, द्वितीय स्थान पर ऐश चौधरी, तृतीय स्थान पर अनाश्वी अग्रवाल, मयेशा वार्ष्णेय , मायेशा मयंक,सांची अग्रवाल आदि रहे । इस शानदार सफलता के पीछे कोच हर्ष राणा की मेहनत और मार्गदर्शन का विशेष योगदान रहा। उन्होंने बच्चों को स्केटिंग की तकनीकों के साथ-साथ अनुशासन, संतुलन और आत्मविश्वास का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर विद्यालय की संचालिका संगीता भार्गव ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बच्चों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय हमेशा बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के अवसर देता रहेगा। विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों ने भी बच्चों और कोच हर्ष राणा के प्रयासों की सराहना की तथा सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शादी का झांसा देकर युवती को भगाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। अमरोहा कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला से एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि 18 अप्रैल को सुबह करीब 9 बजे उनकी 20 वर्षीय पुत्री को हिमांशु नामक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। बताया गया है कि आरोपी युवक न्यू फैन्स कॉलोनी (बैंक कॉलोनी) का निवासी है और उसने शादी का झांसा देकर युवती को अपने साथ भगाया। परिजनों के अनुसार, घटना के बाद से युवती का कोई पता नहीं चल पाया है, जिससे परिवार में चिंता और दहशत का माहौल है। पीड़िता की मां ने पुलिस से जल्द से जल्द बेटी की बरामदगी और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि युवती की तलाश के लिए टीमों को लगाया गया है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही युवती को बरामद कर लिया जाएगा।

युवक मंगल दलों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से जोड़ा जाए - मुख्य विकास अधिकारी

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल / बहजोई। कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में क्रीडा विभाग एवं युवा कल्याण विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने युवक मंगल दल के विषय में जानकारी प्राप्त की उन्होंने कहा कि युवक मंगल दलों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से जोड़ा जाए और उनको जागरूक किया जाए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि युवक मंगल दलों के पास अपना उद्योग होगा तो वह और लोगों को भी जागरूक करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा

कि कहा कि युवा कल्याण विभाग एवं खेल विभाग मिलकर ग्रामीण खेल कूद को और आगे बढ़ाया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायत के स्तर पर खेल के मैदानों के विषय में भी देख ले। खेल विभाग के कार्यों को लेकर भी चर्चा की गई एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। विवेकानंद यूथ अवार्ड के विषय में भी मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया।इस अवसर पर प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी विनीत सिद्धू , समस्त क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी एवं खेल विभाग से शूटिंग कोच मयंक उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक का किया आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल/बहजोई। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के विषय में जानकारी प्राप्त की उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के वेंडरों से समन्वय स्थापित करते हुए लंबित आवेदनों को निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर निर्देशित करते हुए कहा कि इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए यह शासन की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं में से एक है। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायती राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना की प्रगति में बढ़ोतरी लाई जाए इसको प्रत्येक दिशा में देख लें नहीं तो संबंधित की खिलाफ कार्रवाई संज्ञान में लाई जाएगी। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत को निर्देशित करते हुए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के विषय में लोगों को जागरुक करते हुए कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर रामानुज, एलडीएम ललित कुमार राय, नेडा विभाग से संजीव कुमार गोतम एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग युवक से मारपीट, शिकायत पर मिली धमकी—पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के ग्राम कैलसा में एक मानसिक रूप से दिव्यांग युवक के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित के पिता, जो स्वयं 83 वर्ष के बुजुर्ग और लीवर कैंसर से पीड़ित हैं, ने थाना अमरोहा देहात में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कैलसा निवासी जयपाल सिंह, जो कि भूतपूर्व सैनिक हैं, ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका पुत्र रोहित मानसिक रूप से 75 प्रतिशत दिव्यांग है और उसके पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी है। घटना बीते सोमवार की शाम करीब 6 बजे की है, जब रोहित गांव की डेयरी से दूध लेने

जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में स्थित एक नाई की दुकान पर गांव के ही निवासी बंटी कश्यप ने उसे ह्यपागलह्न कहकर पुकारा, जिससे रोहित आक्रोशित हो गया। आरोप है कि इसके बाद बंटी कश्यप ने रोहित के साथ मारपीट शुरू कर दी। मौके से गुजर रहे गांव के ही तरुण पुत्र सुनील कुमार ने बीच-बचाव कर रोहित को बचाया और तुरंत उसके पिता को फोन कर घटना की जानकारी दी। बुजुर्ग पिता जयपाल सिंह ने बताया कि उनकी उम्र और बीमारी के चलते वह अपने दिव्यांग बेटे की रक्षा करने में असमर्थ हैं।

घटना के बाद जब जयपाल सिंह ने आरोपी बंटी के भाई विनीत से इस बारे में बात की, तो उसे धमकियां मिलने लगीं। आरोप है कि विनीत ने कहा कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो उनके दूसरे पुत्र, जो कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में तैनात हैं, को झूठे मुकदमे में फंसाकर नौकरी से निकलवा दिया जाएगा। साथ ही दिव्यांग रोहित को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पीड़ित पिता ने अपनी तहरीर में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 (फ्ढहऊ अ़ू३) के तहत कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच प्रारंभ कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिव्यांग व्यक्ति के साथ इस तरह का व्यवहार बेहद निंदनीय है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। वहीं, प्रशासन से भी उम्मीद की जा रही है कि वह इस संवेदनशील मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए तत्परता से कदम उठाएगा।

सादाबाद में महाराणा प्रताप शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक, पदाधिकारियों का हुआ भव्य स्वागत

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सादाबाद क्षेत्र के गांव नगला मोहकमपुर में मंगलवार को आगामी महाराणा प्रताप शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने शोभायात्रा समिति के पदाधिकारियों का पटका पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर जोरदार नागरिक अभिनंदन किया। गाँव पहुँचने पर शोभायात्रा के अध्यक्ष अनिल सिसोदिया, क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह, सह-संयोजक भीकम सिंह चौहान और नरेश प्रधान का युवा साथी दीपक राघव व नकुल राघव ने माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भीकम सिंह चौहान ने की तथा कुशल संचालन राजेंद्र सिंह धाकरे द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित

करते हुए भीकम सिंह चौहान ने मेवाड़ शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन और उनके अदम्य साहस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हम सभी के लिए राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा है। उनकी शौर्य गाथाओं को जन-जन तक पहुँचाना ही इस शोभायात्रा का मुख्य उद्देश्य है। शोभायात्रा अध्यक्ष अनिल सिसोदिया ने ग्रामीणों को कार्यक्रम का विधिवत निमंत्रण देते हुए अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि आगामी 9 मई को भव्य शोभायात्रा गौशाला रोड स्थित स्मृति भवन से विधि-विधान के साथ शुरू होगी। यह यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दाऊजी महाराज मंदिर पर पहुँचकर संपन्न होगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से धर्मेंद्र चौहान, योगेंद्र चौहान, रघुराज सिंह, राजपाल चौहान, नवरत्न सिंह, किशनवीर सिंह परमार, शिव चौहान शिवम परमार, कुनाल चौहान, बॉबी चौहान, अनुज, अजीत, रंजीत, हितेश सिकरवार, अभिषेक तोड़ावरी, यशपाल, अमन, प्रदीप, रघुराज सिंह, रोहन राघव, सचिन कुमार, गोविंद चौहान, रवेंद्र चौहान, मनीष सिंह, नन्दकिशोर परमार, केशव सिंह, रणजीत सिंह, मोहित, संजू सहित भारी संख्या में ग्रामीण और क्षत्रिय समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विदुर प्रेरणा ब्राण्ड को डिजिटल मजबूती देने पर जोर, ह्वविदुर प्रेरणा स्वदेशीह्व ऐप के उपयोग के निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/मौहम्मद फैजान

बिजनौर। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विदुर प्रेरणा ब्राण्ड के सुदृढ़ीकरण एवं प्रचार-प्रसार को लेकर समीक्षा की गई। बैठक में विशेष रूप से डिजिटल सशक्तिकरण पर बल देते हुए ह्वविदुर प्रेरणा स्वदेशी मोबाइल एप्लीकेशन के प्रभावी उपयोग हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल माध्यमों के जरिए स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि विदुर प्रेरणा ब्राण्ड से जुड़े उत्पादकों, स्वयं सहायता समूहों तथा उद्यमियों को मोबाइल एप्लीकेशन से जोड़ा जाए, ताकि उनके उत्पादों की बिक्री, पहचान और पहुंच में वृद्धि हो सके।

उन्होंने कहा कि विदुर प्रेरणा स्वदेशी ऐप स्थानीय उत्पादों को नई पहचान देने के साथ-साथ जनपद के कारीगरों, महिलाओं एवं लघु उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को भी एक ही प्लेटफॉर्म पर गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध होंगे। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ऐप के संचालन, प्रचार-प्रसार और आमजन तक इसकी जानकारी पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही उत्पादकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन विपणन एवं ऑर्डर प्रबंधन की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना प्राथमिकता है और विदुर प्रेरणा ब्राण्ड को एक सशक्त पहचान दिलाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अक्रियाशील गौशालाएं हों तत्काल चालू, चारे और सुरक्षा व्यवस्था पर डीएम सख्त

दैनिक बुलंद मंज़िल/ उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जिले की अक्रियाशील गौशालाओं को तत्काल क्रियाशील करने तथा निमार्णाधीन गौशालाओं को शीघ्र पूर्ण कर पशुधन विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को हरे चारे के लिए आवंटित भूमि की मैपिंग कर संरक्षित गोवंशों के लिए पर्याप्त चारे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में डीएम ने जिले में संचालित गौ आश्रय स्थलों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान चारागाह भूमि की मैपिंग न होने और चारा उत्पादन की कार्यवाही न पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई। संबंधित एसडीएम, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और खंड विकास अधिकारियों को आपसी समन्वय से चारा उत्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिले के सभी गौ आश्रय स्थलों में गोवंशों का टीकाकरण कराया जाए तथा शत-प्रतिशत टैगिंग सुनिश्चित की जाए। आने वाले त्योहारों को देखते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों पर घूम रहे गोवंशों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। यदि कोई गोवंश आवारा घूमता मिले तो उसे तुरंत नजदीकी गौशाला में संरक्षित किया जाए, ताकि दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। बैठक में गौ आश्रय स्थल ननुपुरा के प्रबंधन पर भी सवाल उठे। डीएम ने संबंधित संस्था को संचालन व्यवस्था सुधारने की चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों के अनुसार प्रबंधन न होने पर संचालन स्थानीय निकाय को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने क्षमता से अधिक गोवंश वाले आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड निर्माण कराने, भरण-पोषण की मांग समय से भेजने, गौशाला ऐप पर प्रतिदिन आंकड़े अपलोड करने तथा मृत गोवंश के सम्मानजनक निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह, उप जिलाधिकारी सदर रितु चौधरी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी लोकेश कुमार अग्रवाल, अपर मुख्य अधिकारी विकास कुमार मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दें अधिकारी : जिलाधिकारी जसजीत कौर

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर। कलक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने की। इस दौरान उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि पूर्व सैनिकों से जुड़ी सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि देश की रक्षा एवं सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सैनिकों और पूर्व सैनिकों का सम्मान करना समाज एवं प्रशासन का दायित्व है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी पूर्व सैनिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय से मिलना चाहिए। यदि किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो उसका शीघ्र समाधान कराया जाना आवश्यक है।

बैठक में पूर्व सैनिकों द्वारा पेंशन, चिकित्सा सुविधा, राजस्व सम्बन्धी प्रकरण, भूमि विवाद, पारिवारिक पेंशन, रोजगार, आवास तथा अन्य विभागीय मामलों से सम्बन्धित समस्याएं रखी गईं। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय सीमा में निस्तारित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के सम्मान और कल्याण के लिए शासन प्रतिबद्ध है तथा प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान हेतु हर सम्भव प्रयास करेगा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बैठक में प्राप्त शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए। बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, पूर्व सैनिक एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पूर्व सैनिकों ने प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं के समाधान हेतु किये जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

तीन ग्राम पंचायतों में शिक्षा की अलख, असाक्षरों को बनाया जाएगा साक्षर

दैनिक बुलंद मंजिल / फहीम अख्तर

बिजनौर। सोसाइटी फॉर सोशल वेलफेयर डेवलपमेंट (एस एस डब्लू डी)बिजनौर और शिव नादर फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से जिले की तीन ग्राम पंचायतों में असाक्षर महिलाओं और पुरुषों को पढ़ा-लिखा बनाने का बड़ा अभियान शुरू हो गया है।

इस कार्यक्रम के तहत आज सोमवार से 7 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया गया। शिक्षा फॉर एडल्ट्स नामक इस पहल में कुल 22 जन शिक्षक, दो फील्ड सुपरवाइजर और एक प्रोग्राम मैनेजर को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

ये जन शिक्षक ग्राम पंचायत खेड़की, इस्लामपुर दास और तरीकमपुर चंद में काम करेंगे। प्रत्येक जन शिक्षक अपनी पंचायत में 15 वर्ष से अधिक उम्र के उन महिलाओं और पुरुषों को चुनेंगे, जो अभी तक पढ़-लिख नहीं पाए हैं।

इस कार्यक्रम के तहत पहले ग्राम पंचायतों में सर्वे किया जाएगा और असाक्षर लोगों की पहचान की जाएगी। फिर 15-15 लोगों के बैच बनाकर 2 घंटे की पाठशाला चलाई जाएगी। जन शिक्षक उन्हें बुनियादी हिंदी वर्णमाला, मात्राएं, पढ़ना-लिखना और रोजमर्रा के जोड़-घटाव का ज्ञान देंगे।

इस अभियान का लक्ष्य है कि तीनों पंचायतों में लगभग 3000 असाक्षर लोगों को साक्षर बनाया जाए। सोसाइटी फॉर सोशल वेलफेयर डेवलपमेंट के सचिव मोहम्मद मोहसिन ने बताया कि यह कार्यक्रम सरकारी योजनाओं के साथ मिलकर शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि आज भी इन इलाकों में बड़ी संख्या में लोग अंगूठा लगाने को मजबूर हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है।

संस्था की डायरेक्टर श्रीमती रूही मिराज ने बताया कि शिव नादर फाउंडेशन के कुशल नेतृत्व में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया जाएगा। प्रोग्राम मैनेजर आरसी सैयद अरशद अली के नेतृत्व में 22 जन शिक्षक और दो फील्ड सुपरवाइजर पूरी मेहनत से काम करेंगे।

यह 7 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र 20 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 26 अप्रैल तक चलेगा। प्रशिक्षण के बाद जन शिक्षक मैदान में उतरकर असाक्षरों को साक्षर बनाने का काम शुरू कर देंगे।

जनपद में दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क चिन्हांकन शिविर 30 अप्रैल से शुरू, 5 मई को स्योहारा में लगेगा शिविर

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिले के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा विकास खंड स्तर पर निःशुल्क चिन्हांकन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी जागेश्वर सिंह एवं वरिष्ठ सहायक गोविंद दास ने दी। उन्होंने बताया कि शिविरों की शुरूआत 30 अप्रैल 2026 से होगी। इसके बाद 2 मई को किरतपुर, 5 मई को स्योहारा, 6 मई को हल्दौर, 7 मई को अल्हैपुर (धामपुर), 8 मई को मोहम्मदपुर देवमल, 12 मई को नूरपुर, 13 मई को अफजलगढ़, 14 मई को जलीलपुर, 15 मई को नहटौर तथा 16 मई को कोतवाली विकास खंड में शिविर आयोजित किए जाएंगे। सभी शिविर प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक संचालित होंगे।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि शिविरों में दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, दिव्यांग पेंशन, शादी अनुदान, दुकान संचालन सहायता समेत अन्य योजनाओं के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिविर में आने वाले पात्र लाभार्थियों को आधार कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र (यूडीआईडी), आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे।विभाग ने जिले के सभी पात्र दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाएं और सरकारी सुविधाओं से जुड़ें।

नगीना बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, न्यायिक अधिकारियों का हुआ स्वागत

दैनिक बुलंद मंजिल / यासिर शम्सी।

नगीना। बार एसोसिएशन नगीना की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण एवं नवागंतुक न्यायिक अधिकारियों के स्वागत समारोह का संयुक्त आयोजन मुन्सिफी नगीना परिसर में किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश संजय कुमार रहे,जिन्होंने नगीना बार के अधिवक्ताओं की सराहना करते हुए नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

समारोह की शुरूआत निवर्तमान महासचिव नईम अहमद द्वारा पिछले वर्ष के कार्यों और आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत करने के साथ हुई।इसके बाद एल्डर कमेटी के अध्यक्ष जयकिशन शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपक बिश्नोई को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अध्यक्ष दीपक बिश्नोई ने आगे अपनी टीम के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई,जिनमें महासचिव मौ.नईम,उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष नरगिस जहां,संयुक्त सचिव (पुस्तकालय) मौ.इमरान, संयुक्त सचिव (प्रशासन) अभिषेक बिश्नोई सहित कार्यकारिणी सदस्य मौ.शफीक, अमीचंद,आशुतोष शर्मा,मनव्वर हसन,ममता,समीर जोशी एवं दीक्षा चौहान शामिल रहे। इस दौरान नवागंतुक न्यायिक अधिकारियों एडीजे नगीना मौ. शारिक सिद्दीकी,एसीजेएम नगीना वर्तिका शुभानंद,सिविल जज जूनियर डिवीजन नेहा राजन एवं अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन सुभाष कुमार का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला जज संजय कुमार,अपर जिला जज बिजनौर प्रशांत मित्तल,सीजेएम बिजनौर प्रीति चौधरी,एसडीएम नगीना विजयशंकर मिश्रा सहित अन्य न्यायिक अधिकारियों ने अधिवक्ताओं से न्याय व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में सहयोग की अपील की।समारोह की अध्यक्षता अध्यक्ष दीपक बिश्नोई एवं संचालन महासचिव मौ.नईम ने किया।इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता मौ.आरिफ खान,नरेंद्र चौहान,निशात अहमद ,अरशद जावेद,इकरामुद्दीन,अंबरीश कुमार,हाजी तुफैल,कसीम अहमद,संजीव कुमार,पवन अग्रवाल,शहजाद आलम,विनीत अग्रवाल,अवेस मंसूरी,अमीर सिंह,मौ.शाकिर सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में बार एसोसिएशन की ओर से मुख्य अतिथि जिला जज का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

ताजपुर में शिक्षकों को मिला आधुनिक शिक्षण का प्रशिक्षण,

मौलाना अकील अहमद इस्लाही ने दिए खास टिप्स

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद जीशान

धामपुर/ताजपुर। जानकारी के अनुसार ताजपुर में बरेली के प्रख्यात इस्लामी विद्वान एवं शिक्षाविद् मौलाना अकील अहमद इस्लाही साहब का आगमन हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के कई इंग्लिश मीडियम एवं इस्लामिक शिक्षण संस्थानों में एक महत्वपूर्ण शैक्षिक बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने बच्चों की शिक्षा को बेहतर और प्रभावी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान मौलाना अकील अहमद इस्लाही साहब ने मौलाना सिराजुद्दीन नदवी के मार्गदर्शन में संचालित जमीयतुल फैसल, शाहीन एकेडमी और शिबली पब्लिक स्कूल के शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने अपने प्रभावशाली अंदाज में शिक्षकों को बताया कि किस प्रकार बच्चों को पढ़ाया जाए ताकि वे शिक्षा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व विकास में भी आगे बढ़ सकें।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि, तालीम सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों के अंदर सोचने-समझने की क्षमता, अच्छे संस्कार और आत्मविश्वास पैदा करना भी उतना ही जरूरी है। एक अच्छा शिक्षक वही है जो बच्चे के अंदर छुपी प्रतिभा को पहचान कर उसे सही दिशा दे।

उन्होंने शिक्षकों को सलाह देते हुए कहा कि बच्चों को रटने के बजाय समझने पर जोर दिया जाए, कक्षाओं को रोचक और संवादात्मक बनाया जाए, हर बच्चे की अलग क्षमता को समझकर उसी के अनुसार पढ़ाने की शैली अपनाई जाए, दीनी और दुनियावी तालीम के बीच संतुलन कायम रखा जाए तथा बच्चों में अनुशासन और अच्छे अखलाक विकसित किए जाएं। मौलाना साहब ने कहा कि, अगर शिक्षक अपने पेशे को इबादत समझकर निभाएं, तो आने वाली नस्लें खुद-ब-खुद कामयाबी की बुलंदियों को छू लेंगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना अकील अहमद इस्लाही साहब ने की, जबकि संचालन मौलाना जुल्फकार ने किया। बैठक में प्रधानाचार्य सरताज अहमद, प्रधानाचार्य सुहाना परवीन, कारी गौहर, दानिश अंसारी, मास्टर माज, मास्टर रईस, सदफ परवीन, अफशा परवीन, अक्सा परवीन, मांतशा परवीन, अफनान सिराज सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।कार्यक्रम के अंत में मौलाना सिराजुद्दीन नदवी सहित सभी शिक्षकों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया और मौलाना साहब का आभार व्यक्त किया।

नगीना के मोहम्मद अरशद बने विद्युत कर्मचारी मोर्चा के प्रांतीय महामंत्री

दैनिक बुलंद मंजिल/यासिर शम्सी।

नगीना। विद्युत कर्मचारी मोर्चा संगठन उत्तर प्रदेश की केंद्रीय कार्यकारिणी में नगीना निवासी मोहम्मद अरशद को प्रांतीय महामंत्री मनोनीत किया गया है। संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बब्बू अवस्थी एवं मुख्य महामंत्री छोटेलाल दीक्षित द्वारा जारी सूची में यह घोषणा की गई। मोहम्मद अरशद के मनोनयन पर क्षेत्र के बिजली कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई।कर्मचारियों ने इसे नगीना क्षेत्र के लिए गर्व की बात बताते हुए उन्हें बधाई दी।इस अवसर पर संदीप कुमार,मंजीत सिंह,गौरव कुमार,दीपक चौहान,रिशव, विनोद कुमार,सुरेश यादव, एजाज अहमद,वासिफ अतीक, विजेंद्र मेंदोला,अजहर अहमद, संजीव कुमार,अभिषेक अग्रवाल, मोहम्मद आसिफ,ओंकार सिंह,अतुल राजपूत आदि ने भीशुभकामनाएं देते हुए केंद्रीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश अवस्थी का आभार व्यक्त किया।उल्लेखनीय है कि मोहम्मद अरशद वर्तमान में विद्युत वितरण मंडल रामपुर में एक्जीक्यूटिव ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं।

CMYK

डबल रोड बनी मुसीबत! पेड़ों की कटाई से चांदपुर में तपती सड़कें, जाम में फंसी जनता बेहाल, सीएम से पूछा बड़ा सवाल

छांव खत्म, धूप का कहर – दुकानदार, राहगीर परेशानः विकास की आंधी में हमारा क्या दोष

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर नगर क्षेत्र में स्याऊ से लेकर धनोरा रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप तक चल रहे डबल रोड निर्माण कार्य ने जहां विकास की तस्वीर को गति दी है, वहीं दूसरी ओर आम जनता की परेशानियों को कई गुना बढ़ा दिया है। सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई से पूरे क्षेत्र में छांव का सहारा खत्म हो गया है, जिससे भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। दोपहर के समय हालात बेहद खराब हो जाते हैं। सड़क पर निकलना तक दूभर हो गया है, जबकि रेलवे फाटक बंद होने पर लगने वाले जाम में फंसे लोगों–खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों–की हालत और भी दयनीय हो जाती है। पहले जहां पेड़ों की छांव में लोग राहत महसूस करते थे, अब उन्हें खुले आसमान के नीचे तपती धूप सहनी पड़ रही है।

दुकानदारों का टूटा सहारा

स्थानीय दुकानदारों और कारीगरों ने भी अपनी पीड़ा जाहिर की है। बाइक और कार मैकेनिक, पंचर बनाने वाले कारीगरों का कहना है कि पहले वे पेड़ों की छाया में आराम से काम कर लेते थे, लेकिन अब तेज गर्मी में काम करना मुश्किल हो गया है। कई दुकानों में पर्याप्त सुविधा न होने के कारण अंदर भी राहत नहीं मिल पा रही है।

जाम और अतिक्रमण ने बढ़ाई मुश्किलें

इस मार्ग पर पहले से ही अतिक्रमण और ट्रैफिक जाम की समस्या बनी हुई थी, लेकिन अब पेड़ों की कटाई के बाद स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। रेलवे फाटक बंद होने के दौरान लंबा जाम लगने से लोग घंटों धूप में खड़े रहने को मजबूर हैं।

पर्यावरण पर उठे गंभीर सवाल

पर्यावरण प्रेमियों ने भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि एक ओर सरकार हरियाली बढ़ाने और वृक्षारोपण की बात करती है, वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है, जो पर्यावरण संतुलन के लिए खतरा है।

सीएम से जनता का सीधा सवाल

इस पूरे मामले को लेकर अब स्थानीय लोगों में नाराजगी भी साफ दिखाई दे रही है। चांदपुर की बेबस और परेशान जनता प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यह सवाल पूछ रही है कि इस विकास की आंधी में आखिर हमारा क्या दोष था, जो हमें छांव और राहत से वंचित कर दिया गया?

प्रशासन से मांग

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण के साथ-साथ छायादार पेड़ों के पुनः रोपण की ठोस योजना बनाई जाए, ताकि आने वाले समय में लोगों को राहत मिल सके और पर्यावरण भी सुरक्षित रह सके।

अब देखना होगाङ्घ

क्या प्रशासन जनता की इस पीड़ा को समझते हुए संतुलित कदम उठाएगा, या फिर विकास के नाम पर लोगों की मुश्किलें यूं ही बढ़ती रहेंगी? पूरे शहर की निगाहें अब सरकार और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

एसडीएम के खिलाफ एसोसिएशन बार की बगावत

चांदपुर में अधिवक्ताओं का उग्र तेवर, कोर्ट बहिष्कार से ठप हो सकते हैं न्यायिक कार्य

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । तहसील चांदपुर में उस समय माहौल गरमा गया जब सीनियर बार एसोसिएशन ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नितिन तेवतिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अधिवक्ताओं ने एसडीएम पर अभद्र व्यवहार, अपमानजनक भाषा का प्रयोग और मनमानी करने के आरोप लगाए हैं। इसको लेकर बार एसोसिएशन ने बड़ा फैसला लेते हुए एसडीएम न्यायालय के पूर्ण बहिष्कार का ऐलान कर दिया है।

बार हॉल में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप चौहान ने की, जबकि संचालन सचिव मनोज कुमार ने किया। बैठक के दौरान अधिवक्ताओं ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए एसडीएम के व्यवहार को अमर्यादित और असहनीय बताया। अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीएम द्वारा बार-बार अपमानजनक रवैया अपनाया जा रहा है, जिससे न्यायिक व्यवस्था की गरिमा भी प्रभावित हो रही है।

स्थानांतरण तक जारी रहेगा बहिष्कार

बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर जिलाधिकारी से मांग की गई कि एसडीएम नितिन तेवतिया का तत्काल स्थानांतरण किया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि जब तक यह मांग पूरी नहीं होती, तब तक अधिवक्ता एसडीएम न्यायालय में कोई भी न्यायिक कार्य नहीं करेंगे और पूर्ण बहिष्कार जारी रहेगा।

बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की मौजूदगी

इस बैठक में गुलाब सिंह यादव, देशराज सिंह, विजय सिंह, सोमपाल सिंह, सोमपाल आर्य, नागेंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह, वीरेंद्र प्रताप, विकास भटनागर, सुरेंद्र सिंह, बागेश्वर सिंह, इंद्रवीर सिंह, आलोक त्यागी समेत दर्जनों अधिवक्ताओं ने भाग लेकर अपने समर्थन का ऐलान किया।

न्यायिक कार्य पर पड़ सकता है असर

बार एसोसिएशन के इस कड़े फैसले से तहसील में न्यायिक कार्य पूरी तरह प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। आम जनता को भी अपने मामलों में देरी का सामना करना पड़ सकता है।

अब प्रशासन की परीक्षा

इस पूरे घटनाक्रम के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। अब सबकी नजरें जिलाधिकारी पर टिकी हैं कि वह इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और विवाद को कैसे सुलझाते हैं।

अप्रैल में ही तपने लगा चांदपुर – लू और बारिश का डबल अटैक, IMD ने जारी किया बड़ा अलर्ट

यूपी में 44°C के पार पारा, कई जिलों में लू का खतरा – 15 राज्यों में आंधी-बिजली और बारिश की चेतावनी

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर क्षेत्र में अप्रैल की शुरूआत से ही गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बढ़ते तापमान के बीच क्ल्ल्र्ग टी३ेङ्ग१ङ्ग'ङ्क्ैं' ऊस्त्रं१३ैल्ल३ (आईएमडी) ने देश के 15 राज्यों में आंधी, तेज हवाओं, बिजली और बारिश का अलर्ट जारी किया है। ऐसे में लोगों को एक साथ भीषण गर्मी और बदलते मौसम की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। वहीं दूसरी ओर पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कई हिस्सों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है।

राजधानी ठी६ ऊ्रँ में अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रह सकता है। सुबह के समय करीब 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

अगर उत्तर प्रदेश की बात करें तो हालात और ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। ढ१ॅ८ं१ में अधिकतम तापमान 44.6त्उ, श्ंं१ल्लं२ में 44.2त्उ और इंल्लंर्ि में 43.6त्उ दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई जिलों में पारा 42त्उ के पार पहुंच चुका है।

आईएमडी ने श्ंं१ल्लं२, खं४ल्लस्त्र४१, ऋ्ब्ल१ैस्त्र४१ और ऊीङ्ग१ं समेत पूर्वी यूपी के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

वहीं ङ्गँ१ में 23 अप्रैल को तेज हवाओं और आंधी की संभावना जताई गई है, खासकर सीमांचल क्षेत्र में सतर्क रहने की सलाह दी गई है। गर्म हवाओं के चलते हीटस्ट्रोक का खतरा भी बढ़ सकता है।

पहाड़ी राज्य ल्ल्ूँ' ढ१ीँरँ में 23 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में भी मौसम सक्रिय बना हुआ है। डी१", ळें' ठॅ४, अल्लाॅ१ ढ१ीँरँ और ङ१ल्लं३" में गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस बदलते मौसम में लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। जहां एक ओर लू से बचाव जरूरी है, वहीं आंधी-तूफान के दौरान भी सावधानी बेहद जरूरी है।

बड़ा असर चांदपुर मेंः

लगातार बढ़ती गर्मी और पेड़ों की कटाई जैसे स्थानीय कारणों से चांदपुर में तापमान और अधिक महसूस किया जा रहा है। ऐसे में लोगों को दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

सावधानी ही बचावः

विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि दोपहर में बाहर निकलने से बचें, पानी का अधिक सेवन करें और मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि लू और बदलते मौसम के प्रभाव से सुरक्षित रहा जा सके।

नहर किनारे मौत बनकर बैठा गुलदार — बाइक सवारों पर अचानक हमला, तीन घायल

नलपुरा के पास दहशत, ग्रामीणों में भय – पिंजरा लगाकर गुलदार पकड़ने की उठी मांग

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब नलपुरा सिंचाई नहर के पास देर शाम एक गुलदार ने अचानक बाइक सवारों पर हमला बोल दिया। हमले में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव सुंदरा निवासी जयवेंद्र सिंह देर शाम अपनी भतीजी लक्ष्मी और अंशिका के साथ रिश्तेदारी में गए थे। उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य नितिन, अमित और एक बुजुर्ग महिला दूसरी बाइक से गए थे। देर शाम जब सभी लोग अलग-अलग बाइक से वापस गांव लौट रहे थे, तभी यह खौफनाक घटना घटित हुई।

बताया जाता है कि जैसे ही दोनों बाइक नलपुरा सिंचाई नहर के पास पहुंचीं, सड़क किनारे घात लगाकर बैठे गुलदार ने अचानक हमला कर दिया। गुलदार के पंजों के वार से जयवेंद्र सिंह, लक्ष्मी और अमित घायल हो गए। अचानक हुए हमले से वहां चीख-पुकार मच गई और लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे।

घटना के दौरान शोर मचाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग निकला। इसके बाद आसपास के लोगों ने काफी देर तक गुलदार की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

सोमवार को तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय व्याप्त है। ग्रामीण गुलाब सिंह, गजेंद्र सिंह, रामचंद्र, सत्य सिंह, सामोद, धर्मवीर, श्रीराम, मूलचंद, अजबसिंह, धर्मेंद्र सिंह, सतीश कुमार सहित कई लोगों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए तुरंत पिंजरा लगाने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में गुलदार की लगातार बढ़ती गतिविधियों से लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

वहीं, वन क्षेत्राधिकारी दुष्यंत सिंह का कहना है कि उन्हें घटना की आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, लेकिन अब मामले की जांच कराई जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बड़ा सवालः

क्या वन विभाग किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है, या फिर समय रहते गुलदार को पकड़कर ग्रामीणों को राहत दी जाएगी।

भीषण गर्मी पर सख्त हुए योगी आदित्यनाथ— चांदपुर में विकास बनाम विनाश की जंग तेज

हाईवे चौड़ीकरण में सैकड़ों पेड़ों का कटान, ठेकेदार पर गंभीर आरोप – जनता बोली पर्यावरण से खिलवाड़ बंद हो

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी को लेकर मुख्यमंत्री ङ्क्ष अ३ि८ल्लं३ँ जहां पूरे प्रदेश में अलर्ट मोड पर हैं और बचाव के व्यापक इंतजाम के निर्देश दे रहे हैं, वहीं चांदपुर क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय जनता और पर्यावरण प्रेमियों ने मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा है कि चांदपुर का विकास अब विनाश की ओर बढ़ता नजर आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि बदलते मौसम के चलते गर्मी के साथ-साथ बाढ़, सूखा और महामारी का खतरा भी बना हुआ है। ऐसे में सरकार द्वारा 34,000 मेगावाट बिजली आपूर्ति, अस्पतालों में विशेष इंतजाम, सड़कों पर पानी का छिड़काव और सार्वजनिक स्थानों पर छायादार व्यवस्था जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन चांदपुर में जमीनी हालात इन प्रयासों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बिजनौर-बदायूं स्टेट हाईवे के चौड़ीकरण कार्य के तहत सैकड़ों वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ों का तेजी से कटान किया जा रहा है। जेपी पब्लिक स्कूल से फादरसन पब्लिक स्कूल तक चल रहे इस कार्य में दशकों पुराने छायादार वृक्षों को हटाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में तापमान बढ़ने और पर्यावरण संतुलन बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। सबसे बड़ा विवाद उस ठेकेदार को लेकर सामने आया है, जिसे पेड़ कटान का जिम्मा दिया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह वही व्यक्ति है जिस पर पहले सरकारी यूकेलिप्टिस पेड़ों की अवैध कटाई का मुकदमा दर्ज हो चुका है और उसके वाहन तक जब्त किए गए थे। ऐसे में उसी व्यक्ति को दोबारा सरकारी कार्य सौंपना कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि यदि यह आरोप सही हैं तो यह नियमों की खुली अनदेखी है और इसमें विभागीय मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता। मामले को लेकर क्षेत्र में चचाएं तेज हो गई हैं और लोग निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं पेड़ों के कटान के दौरान अव्यवस्थाओं ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। तहसील मुख्यालय के पास घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे शांतिकुंज, श्रीराम कॉलोनी, दया विहार, शिवलोक, कायस्थान मोहल्ला और ग्राम स्याऊ के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। साथ ही सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिससे राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि एक ओर सरकार गर्मी से बचाव के लिए छायादार व्यवस्था बढ़ाने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर हरे-भरे पेड़ों का अंधाधुंध कटान किया जा रहा है, जो नीतियों के विपरीत नजर आता है। उन्होंने मांग की है कि कटान के बाद बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह मुद्दा बड़ा जनआंदोलन बन सकता है।

बड़ा सवालः क्या विकास की आड़ में पर्यावरण की बलि चढ़ाई जा रही है, और क्या चांदपुर में विकास सच में विनाश में बदलता जा रहा है।

शादी में कहासुनी बनी खूनी साजिश – घर में घुसकर स्कूल वैन चालक सौरभ को मारी गोली, मेरठ में जिंदगी और मौत की जंग

हमलावरों ने रचा इंतजार का जाल, कनपटी पर सटाकर मारी गोली – बाइक छोड़कर फरार, गांव में दहशत

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/हीमपुर दीपा। थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र में एक मामूली कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया। ग्राम रावटी में देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब कुछ हमलावरों ने एक स्कूल वैन चालक को उसके ही घर में घुसकर कनपटी पर गोली मार दी। वारदात के बाद पूरा घर खून से लथपथ हो गया और गांव में दहशत फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रावटी निवासी सौरभ पुत्र सुदेश सिसौना गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। वहीं किसी बात को लेकर उसका कुछ युवकों से विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि यह कहासुनी ही बाद में खूनी हमले की वजह बन गई।

परिजनों के अनुसार, विवाद के बाद सौरभ घर नहीं पहुंचा था कि उससे पहले ही 2-3 युवक उसके घर आ धमके। उन्होंने परिजनों को विवाद की जानकारी दी और सौरभ का इंतजार करने लगे। करीब आधे घंटे तक घर में बैठे रहने के बाद जैसे ही सौरभ घर पहुंचा, पहले से घात लगाए हमलावरों ने उसकी कनपटी पर सटाकर गोली दाग दी। गोली लगते ही सौरभ गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घर में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। परिजन आनन-फानन में घायल को बिजनौर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से हालत नाजुक देखते हुए उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। फिलहाल सौरभ मेरठ में उपचाराधीन है और उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों हमलावर मौके पर अपनी एक बाइक छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस के साथ पुलिस क्षेत्राधिकारी देश दीपक सिंह भी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

हीमपुर दीपा पुलिस ने घटनास्थल से बरामद बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जिस व्यक्ति की बाइक मौके पर मिली है, वह अपने परिवार सहित घर छोड़कर फरार है और उसके घर पर ताला लटका हुआ है।

सूत्रों का दावा है कि घायल सौरभ और हमला करने वाले युवक दोनों ही थाना क्षेत्र के ग्राम अजुपुरा जट स्थित जेके इंटरनेशनल स्कूल में वाहन चालक के रूप में कार्यरत हैं, जिससे आपसी रंजिश की आशंका और गहरा गई है।

सुबह होते ही एसपी ग्रामीण हीमपुर दीपा थाने पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी लेकर पुलिस को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

पुलिस का कहना है कि परिजनों से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

बड़ा सवालः

क्या एक मामूली कहासुनी पर इस तरह घर में घुसकर गोली मारना कानून व्यवस्था पर सवाल नहीं खड़ा करता? आखिर कब तक ऐसे दबंग खुलेआम खौफ फैलाते रहेंगे।

नहर पटरी पर मौत का मंजर – मिट्टी खोदते समय ढांग गिरी, एक युवक की दर्दनाक मौत, दो जिंदगी से जूझ रहे

घर के भराव के लिए गए थे तीनों, अचानक भरभराकर गिरा टीला – चीख-पुकार के बीच चला रेस्क्यू

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव सुंदरा-मुंदरा में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। नहर पटरी के पास मिट्टी खोदते समय अचानक ऊंचा ढांग (टीला) भरभराकर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आकर तीन युवक दब गए। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव मिजार्पुर बेला निवासी रामसिंह (35) पुत्र चंद्रपाल अपने साथियों महेश और छोटू के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर गांव सुंदरा-मुंदरा की बड़ी नहर पटरी के पास अपने घर के भराव के लिए मिट्टी लेने पहुंचे थे। बताया जाता है कि तीनों युवक मिट्टी खोदने में जुटे थे, तभी अचानक ऊपर का भारी ढांग देखते ही देखते उनके ऊपर आ गिरा।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर चीख-पुकार गूंज उठी। शोर सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग तुरंत मौके पर दौड़े और बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद तीनों युवकों को मिट्टी के ढेर से बाहर निकाला गया।

घायलों को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रामसिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं महेश और छोटू की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार निजी चिकित्सक के यहां चल रहा है।

रामसिंह की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, पुत्र और पुत्री को रोता-बिलखता छोड़ गया है। गांव में शोक की लहर फैल गई और हर कोई इस हादसे से स्तब्ध नजर आया।

बताया जा रहा है कि परिजन रामसिंह के शव को बिना पोस्टमार्टम कराए ही अपने साथ ले गए और उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के इस तरह नहर पटरी से मिट्टी उठाने का काम अक्सर किया जाता है, जिससे इस तरह के हादसों की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

बड़ा सवाल: क्या बिना सुरक्षा मानकों के चल रहे मिट्टी खनन जैसे कार्यों पर रोक लगेगी, या फिर ऐसे हादसे यूं ही लोगों की जान लेते रहेंगे।

चिंगारी ने निगल ली मेहनत – एलटी लाइन से उठी आग ने 6 बीघा गेहूं को किया राख

किसान की आंखों के सामने जली फसल, लाखों की मेहनत स्वाहा – मुआवजे को लेकर प्रशासन से गुहार

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर तहसील क्षेत्र के गांव स्याऊ में दोपहर एक दर्दनाक आगजनी की घटना ने किसान की महीनों की मेहनत को कुछ ही पलों में राख में बदल दिया। खेत के पास से गुजर रही एलटी (लो टेंशन) बिजली लाइन से निकली चिंगारी ने ऐसा विकराल रूप लिया कि करीब 6 बीघा पकी हुई गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव स्याऊ निवासी भूपेंद्र सिंह पुत्र मूलचंद सिंह के खेत उनकी पत्नी गीता देवी के नाम से गांव हैजरपुर क्षेत्र में स्थित हैं। दोपहर करीब डेढ़ बजे खेत के पास से गुजर रही एलटी लाइन से अचानक चिंगारी निकली, जिसने पास में खड़े गन्ने के खेत में पड़े सूखे झाड़-फूस को आग की चपेट में ले लिया।

तेज हवा के चलते आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया और पास के गेहूं के खेत तक फैल गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरी फसल को घेर लिया। आसपास के किसानों ने आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन तेज हवाओं और भीषण लपटों के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

कुछ ही देर में करीब 6 बीघा तैयार गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। अपनी आंखों के सामने फसल को जलते देख किसान भूपेंद्र सिंह खेत पर ही सिर पकड़कर बैठ गया। इस घटना से किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

घटना की सूचना तुरंत राजस्व विभाग, पुलिस और बिजली विभाग को दी गई। मौके पर पहुंचे हल्का लेखपाल आकाश वैश ने नुकसान का जायजा लिया और रिपोर्ट तैयार की।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में जर्जर बिजली लाइनों के कारण इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं, लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते समय रहते कोई सुधार कार्य नहीं किया जाता। पीड़ित किसान ने प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है, ताकि उसकी आर्थिक स्थिति संभल सके।

बड़ा सवाल: क्या हर बार बिजली विभाग की लापरवाही का खामियाजा किसानों को ही भुगतना पड़ेगा, या इस बार जिम्मेदारों पर कार्रवाई के साथ पीड़ित को न्याय मिलेगा।

स्पोर्ट्स कॉलेजों में कक्षा 6 प्रवेश शुरूः चम्पावत की प्रतिभाओं के लिए बड़ा मौका

चम्पावत । उत्तराखंड के प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह पहल प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं को शुरूआती स्तर से ही पेशेवर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। जिला क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि चम्पावत की बालिकाओं के लिए बालिका स्पोर्ट्स कॉलेज, चम्पावत में एथलेटिक्स, बैडमिंटन और बॉक्सिंग जैसी खेल विधाओं में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का सुनहरा अवसर उपलब्ध है। इसके अलावा जनपद के बालक-बालिकाएं राज्य के अन्य प्रमुख संस्थानों–महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून और श्री हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज, पिथौरागढ़–में भी अपनी खेल रुचि के अनुसार प्रवेश ले सकते हैं। इन संस्थानों में एथलेटिक्स, फुटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, वॉलीबॉल और बॉक्सिंग जैसे खेलों का अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों की आयु 11 से 13 वर्ष (01 जुलाई 2013 से 01 जुलाई 2015 के बीच जन्म) निर्धारित की गई है और उत्तराखंड का मूल अथवा स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता, खेल कौशल और प्रवीणता का परीक्षण किया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट या क्यूआर कोड के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, जबकि ऑफलाइन फॉर्म डाउनलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध है। आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई 2026 तय की गई है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने जनपद के अभिभावकों और युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के ये आवासीय खेल संस्थान आधुनिक सुविधाओं के साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। अब वक्त है–चम्पावत की प्रतिभाएं मैदान में उतरें और अपने सपनों को नई पहचान दें।

मंत्री कैड़ा ने पुलिस प्रशासन को दिये भीमताल में लव जिहाद के मामले मै दोषियो के खिलाफ शक्त कार्यवाही करने के निर्देश

मंत्री कैड़ा ने कहा भीमताल में पहचान छुपाकर युवतियों के साथ दूर व्यवहार और धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है आरोपी एक समुदाय विशेष का व्यक्ति अपनी पहचान छुपाकर कई युवतियों से संपर्क करता था और उन्हें प्रेमजाल में फंसाकर विवाह का झूठा आश्वासन देता था। मंत्री ने कहा भीमताल विधानसभा क्षेत्र की शांत वादियों में इस प्रकार की घटना सामने आने बेहद निंदनीय है!उत्तराखंड देव भूमि है देव भूमि में इस प्रकार के कृत्य कतई बर्दास्त नहीं किये जायेगे!

मंत्री ने कहा संज्ञान में आया है आरोपी पीड़िताओं के धार्मिक विश्वासों का अपमान करता था, उन्हें धार्मिक आचरण से रोकता था और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी करता था। मंत्री कैड़ा ने कहा पहचान छुपाकर हिन्दू धर्म की हमारी मा,बहिनो के साथ गलत करना किसी भी हाल में बर्दास्त नहीं किया जायेगा! मंत्री कैड़ा ने पुलिस प्रशासन से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने व पीड़िताओं को न्याय दिलाने के निर्देश दिये!

स्वरोजगार की मिसाल बना चम्पावत का युवा–प्रशांत की मेहनत ने लिखी सफलता की नई कहानी

चम्पावत । जनपद चम्पावत की वादियों से एक ऐसी प्रेरक कहानी सामने आई है, जो न सिर्फ आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही है, बल्कि युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का हौसला भी दे रही है। प्रशांत सेठी ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लाभ उठाकर यह साबित कर दिया कि यदि इरादे मजबूत हों, तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते। कभी अवसरों की तलाश में भटक रहे प्रशांत को जब इस योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने बिना देर किए इसे अपनाया। योजना के तहत प्राप्त 2.50 लाख रुपये के ऋण से उन्होंने चम्पावत में स्टेशनरी और ऑनलाइन सेवाओं का केंद्र स्थापित किया। शुरूआत भले ही छोटी थी, लेकिन सोच बड़ी थी–और यही सोच आज उनकी पहचान बन चुकी है।

स्योहारा नगर पालिका में जनगणना प्रथम बैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान

स्योहारा। नगर पालिका परिषद स्योहारा के सभागार में जनगणना कार्य के प्रथम बैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनगणना कार्य से जुड़े कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पालिका अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने बताया कि जनगणना का यह प्रथम बैच 21 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान कर्मचारियों एवं प्रगणकों को जनगणना कार्य से संबंधित सभी महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके माध्यम से देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित आंकड़े संकलित किए जाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना प्रक्रिया, घर-घर सर्वेक्षण, डिजिटल डाटा संकलन तथा अभिलेखों के सही संधारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें तथा जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करें। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनगणना कार्य से जुड़े कार्मिक उपस्थित रहे।

नगीना में एम्स की मांग तेज, मुख्यमंत्री को भेजे जाएंगे 1 लाख पोस्टकार्ड

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर / नगीना। भाजपा द्वारा नगर पालिका में मनोनीत पांच सभासदों ने नगीना में एम्स स्थापित कराने की मांग को लेकर जनअभियान शुरू किया है। इसके तहत घर-घर जाकर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड भेजने की मुहिम चलाई जा रही है, जिसे क्षेत्र की जनता सकारात्मक पहल मान रही है।

मंगलवार से शुरू हुए इस पोस्टकार्ड अभियान में मुख्यमंत्री को संबोधित संदेशों के माध्यम से नगीना में एम्स बनाए जाने की मांग रखी जा रही है। पोस्टकार्ड में तर्क दिया गया है कि बिजनौर रोड स्थित दशकों से बंद पड़ी नगीना सहकारी कताई मिल की अप्रयुक्त सरकारी भूमि उपलब्ध है। साथ ही सड़क और रेल मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी होने के कारण यहां अस्पताल बनने से मुरादाबाद मंडल तथा उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों की बड़ी आबादी को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

अभियान के संयोजक भाजपा नेता एवं नगर पालिका परिषद के नामित सभासद डॉ. भूपेश चौहान ने बताया कि नगीना में एम्स की मांग को लेकर 1 लाख लोगों द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पोस्टकार्ड भेजने का संकल्प लिया गया है। इसकी शुरूआत मंगलवार को 1000 पोस्टकार्ड भेजकर की गई। उन्होंने बताया कि हाल ही में नामित सभासदों और स्थानीय भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम विजय शंकर मिश्रा को भी सौंपा था। अब इस मांग को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि केंद्रीय बजट में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए स्वीकृत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को जिला बिजनौर में स्थापित कराने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) ने भी प्रदेश के स्वास्थ्य महानिदेशक को प्रस्ताव भेजा है।पोस्टकार्ड अभियान की शुरूआत बाजार क्षेत्र में बार एसोसिएशन नगीना के पूर्व अध्यक्ष टीकम सिंह की पत्नी सरोज देवी द्वारा पहला पोस्टकार्ड भेजकर की गई।

जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए

भीमताल । माननीय मंत्री शहरी विकास, जलागम प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, उत्तराखंड सरकार श्री राम सिंह कैड़ा द्वारा मंगलवार को भीमताल विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल एवं सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान माननीय मंत्री ने कहा कि जनपद नैनीताल पूरे प्रदेश का वीवीआईपी जिला है। यहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक तथा श्रद्धालु बड़ी संख्या में भ्रमण के लिए आते हैं। जनपद भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद हो ताकि पर्यटक व दर्शनार्थी सुखद अनुभव लेकर जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन सीजन में जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, गर्मी के मौसम में पेयजल की किल्लत न हो, इसलिए एहतियातन सभी वैकल्पिक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने वन विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने हेतु ठोस उपाय किए जाए। उन्होंने वनाग्नि की रोकथाम हेतु 24*7 अलर्ट रहते हुए तत्काल वनाग्नि रोकथाम के निर्देश दिए साथ ही इन घटनाओं को कम करने के लिए चीड़ के जंगलों से पीरूल एकत्र किया जाए ताकि जंगलों को आग से बचाया जा सके,इस कार्य में महिला समूहों की भी सहायता ली जाय। उन्होंने कहा कि जंगलों में आग की रोकथाम के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि झीलों का जलस्तर गर्मियों में कम हो जाता है, इसे बढ़ाने हेतु स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाए, साथ ही झील की सुंदरता के लिए भी कार्य किया जाय। उन्होंने निर्देश दिए कि वन तथा कृषि विभाग आपसी तालमेल से बंदरों को पकड़ने की कार्यवाही करें। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो, बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले और शिक्षा व्यवस्था में सुधार करते हुए जनपद को राज्य में प्रथम स्थान पर लाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने दूरस्थ विद्यालयों में अध्यापकों की तैनाती के साथ ही जीर्ण शीर्ण विद्यालयों की मरम्मत हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सभी चिकित्सलायों में बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर करने के साथ ही भीमताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को तत्काल पूरी करने हेतु कार्यवाही के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को मोहैय्या कराए जाने हेतु समय समय पर चिकित्सालयों का औचक निरीक्षण किया जाए।

पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाए जाने हेतु सभी पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाय मुख्य मुख्य स्थानों में एकरूपता के व्यू पॉइंट बनाए जाय, साइनेज लगाए जाय। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन विकास अधिकारी को जिले में अवैध रूप से या गलत तरीके बाहर रहकर यहॉ होम स्टे संचालित कर रहे हैं ऐसे सभी होम स्टे के खिलाफ कार्यवाही की जाए। बैठक में पर्यटन क्षेत्रों में आवश्यक पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएं, सभी पर्यटन क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण किया जाए। जल संस्थान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि गर्मियों में पेयजल की समस्या न आए, सभी आवश्यक तैयारियां पूरी हों। पेयजल आपूर्ति हेतु वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी की जाएं। आपात स्थिति के लिए टैंकरों की पर्याप्त व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में जो भी अधूरे कार्य हैं, उन्हें पूरा कर लिया जाए, किसी भी प्रकार की शिकायत न मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि हैंडपंप व नलकूप संचालन में जो भी समस्याएं हैं, उनका समाधान किया जाए। उन्होंने जल संस्थान एवं पेयजल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत अधूरे कार्यों को पूर्ण करने हेतु कार्यवाही की जाय।उन्होंने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने सेवायोजन तथा उद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही अधिक से अधिक रोजगार से जोड़ने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाए, रोजगारपरक योजनों की जानकारी देने के साथ ही प्राथमिकता के साथ से ऋण उपलब्ध कराया जाएं। उन्होंने पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि पहाड़ी क्षेत्रों में उन्नत किस्म की गाय, बकरी व कुक्कुट उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि भीमताल में गौशाला का निर्माण शीघ्रता से किया जाए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि फसलों को जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु तारबाड़ के प्रस्ताव तैयार करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि बरसात से पहले ही सड़कों का सुधारीकरण एवं सड़कों को गड्ढामुक्त करने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएं। उन्होंने जिले की विभिन्न सड़कों के निर्माण के संबंध में लोनिवि व पीएमजीएसवाई के अधिकारियों की आवश्यक निर्देश दिए।

खुशहालपुर मठेरी में डॉ बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली

सैकड़ो की संख्या में हिंदू व मुस्लिम समाज तथा सभी वर्गों के लोगों ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नगीना। ग्राम खुशहालपुर मठेरी में डॉ बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर पूरे गांव में हिंदू व मुस्लिम समाज व सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उनमे उत्साह व श्रद्धा का माहौल देखने को मिला कार्यक्रम की शुरूआत रविदास मन्दिर से शोभायात्रा से शुरू हुई तथा गांव के सभी मुख्य मार्गो से होकर प्रातः 10 बजे से निकाली गई जिसमे बाबा साहब के विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया कार्यक्रम का समापन 3 बजे किया गया कार्यक्रम में डीजे व झण्डा आकर्षण का विशेष केंद्र रहा इसके पश्चात एक विशेष कार्यक्रम के तहत एक बड़े पर्दे पर बाबा साहब के जीवन और उनके संघर्षों पर आधारित चरित्र चित्रण प्रस्तुत किया गया इस प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित लोगो को उनके जीवन, शिक्षा, सविधान निर्माण में योगदान एवं समाजिक न्याय के प्रति उनके समर्पण के बारे में जानकारी दी गई, गाँव के सभी गणमान्य व्यक्ति युवा, महिलाएं एव बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये और उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर आयोजक कर्ता अम्बेडकर कमेठी व समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे ।

सटीक जनगणना से मजबूत होगा राष्ट्र–जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से मांगा सक्रिय सहयोग

चम्पावत । जनपद चम्पावत में आगामी जनगणना 2027 को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी मनीष कुमार ने जनपदवासियों से इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सटीक जनगणना ही मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि यह व्यापक प्रक्रिया जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत दो चरणों में संपन्न कराई जाएगी।

पहले चरण में 25 अप्रैल से 24 मई 2026 तक पूरे उत्तराखंड में मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। इस बार प्रक्रिया को और सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए स्व-गणना की डिजिटल सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जो निर्धारित तिथि से 15 दिन पूर्व शुरू होगी।

दूसरे चरण में फरवरी 2027 के दौरान मुख्य जनसंख्या गणना की जाएगी, जिसमें प्रत्येक नागरिक से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय जानकारी का विस्तृत संकलन होगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की विकास दिशा तय करने का आधार है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकारी योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण होता है और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन सुनिश्चित किया जाता है।

उन्होंने जनपदवासियों को आश्वस्त किया कि जनगणना अधिनियम की धारा 15 के तहत दी गई सभी जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। साथ ही, नागरिकों का यह दायित्व है कि वे सही जानकारी उपलब्ध कराएं और गणना अधिकारियों को सहयोग दें।

Kanchipuram Silk Sarees Weave Tradition, Prestige and Economic Strength

In India, a saree is more than just attire; it is emotion, identity, and tradition woven together. Among the country's many iconic weaves, the silk sarees of Kanchipuram stand out for their timeless elegance and royal appeal. Known as the "Silk City," this town in Tamil Nadu has earned global recognition for its exquisite Kanchipuram sarees, celebrated for their richness, durability, and intricate craftsmanship.

These sarees are not just garments; they are a reflection of India's cultural pride and artisanal excellence.

Handwoven from pure silk and often interlaced with gold and silver zari, each piece carries a distinctive sheen and a bold, luxurious texture that sets it apart.

Kanchipuram sarees immediately capture the attention of the visitors from the country and abroad. The detailing is extraordinary; every part reflects simplicity, grace, and a royal character. They are never overly flashy, yet they leave a strong and lasting impression.The story of Kanchipuram silk dates back nearly four centuries. Historical accounts suggest that skilled weavers migrated from Andhra Pradesh, bringing with them techniques that evolved under the influence of temple architecture and traditions.Initially crafted for temple deities, these sarees carry a deep spiritual and cultural connection. Over time, they became synonymous with celebrations, weddings, and special occasions, both in India and abroad.Many people produce only handloom sarees and do not use powerlooms. Kanchipuram is known

Handwoven from pure silk and often interlaced with gold and silver zari, each piece carries a distinctive sheen and a bold, luxurious texture that sets it apart.

for its pure silk. With over a hundred looms, they continue

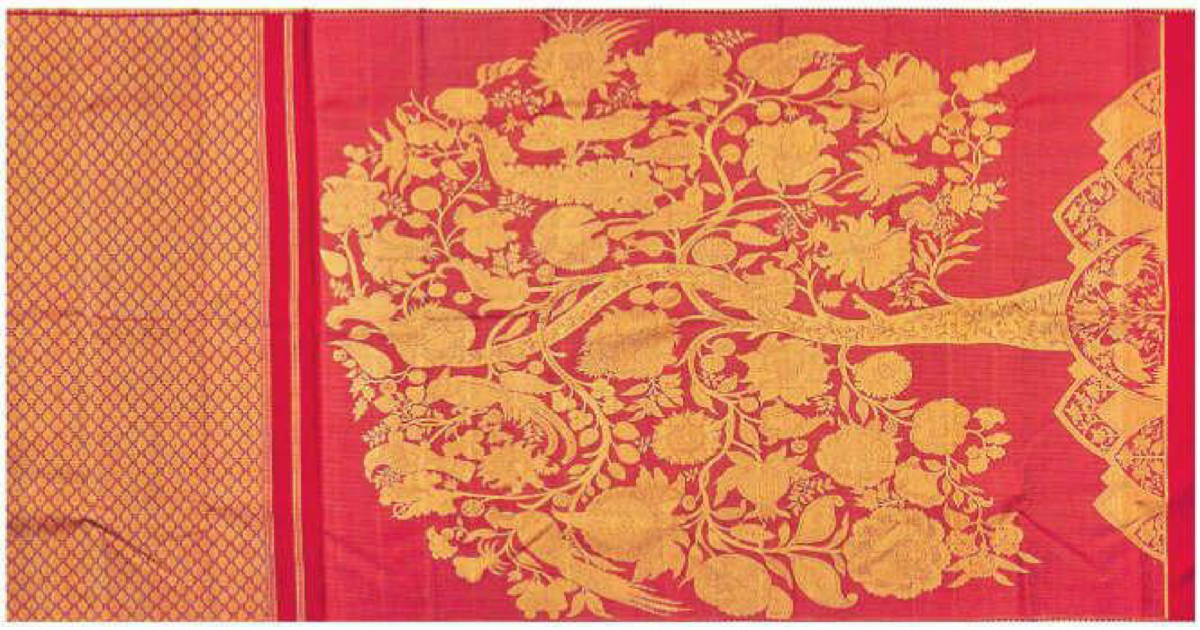

to create sarees in traditional designs and classic colours, supplying them across India. In Kanchipuram, silk weaving is not merely a profession; it is a way of life. Thousands of families have sustained this craft for generations, passing down skills and techniques through the years.Creating a single saree can take several days, sometimes even weeks. Each thread reflects patience, precision, and artistry; qualities that machines struggle to replicate in an age dominated by mass production.Kumaravelu, a veteran weaver said that they do everything by hand and thus they have been part of traditional handloom weaving since 1975. Over the years, they have gradually grown our work, and today we earn a stable livelihood from it. Support from government initiatives, cooperative societies, and the Geographical Indication (GI) tag has helped preserve the authenticity of Kanchipuram silk, ensuring that the craft remains protected while adapting to modern markets. Today, the Kanchipuram silk industry operates through a well-organised network of cooperative societies, supported by the Tamil Nadu government. Institutions such as Kamakshi Amman Weavers Cooperative Society, Murugan Weavers Cooperative Society, and Varadaraja Swamy Weavers Cooperative Society play a crucial role in sustaining and promoting this heritage.With nearly 50,000 weavers and around 60,000 looms in operation, the industry generates an annual turnover exceeding Rs 200 crore - making it not just a cultural symbol, but also a strong economic pillar.Despite changing fashion trends and the rise of machine-made textiles, Kanchipuram silk sarees continue to hold their ground. Their enduring appeal lies in their ability to stay rooted in tradition while evolving with time.What emerges is more than just an industry; it is a living legacy. One that continues to weave together heritage, identity, and opportunity, ensuring that every saree carries forward a story of pride, craftsmanship, and timeless beauty.

Submerged Secrets

In a discovery that has sent ripples through the scientific and archaeological communities, a trove of British-era coins and prehistoric fossils has been recovered from the seabed off the coast of Visakhapatnam.

The find, made during recent underwater explorations, offers a rare, layered look into both the colonial history and the ancient geological past of the Bay of Bengal.

An exhibition in Visakhapatnam, featuring rocks and coins dating back to the era of dinosaurs, is leaving everyone astonished.Archaeology scholars in Visakhapatnam have organised this exhibition to showcase fossils thousands of years old, rocks with unique wood-like textures, and remnants recovered from the depths of oceans and lakes.

A research scholar from Andhra University, describes the exhibition as a "living testimony" and a historical bridge that spans the dawn of humanity to modern independence,

showcasing a vast collection of fossils, regional heritage, and ancient coinage from dynasties such as the Satavahanas and Mauryas.Not only it features a private collection of the not only coins and fossils starting from the dawn of humanity up until the modern day British times but also it features all the pictures as well as visual representations of the heritage sites popular around Andhra Pradesh and Telangana, along with a brief history of Andhra University, the display of which can be seen in the front here," said Jagatpatnaik.Basically, the coin collection presented here starts from the early age of the Mahajanapadas and goes on up until 1947, the Indian independence movement. And the prominent dynasties whose coins are featured here include Satavahanas, Ikshvakus, Vishnukundinas, Mauryas, and Guptas, alongside some foreign variety coins. Research scholar from the Department of History and Archaeology, Andhra University, Sneha Kalampudi said that, "The Britishers started the construction of railways in India during the 1850s, but when it comes to Andhra, it started between 1862. The first railway line was from Renigunta during the 1860s, and when it comes to Vishakhapatnam, the very first railway station is Waltair, constructed in 1896. Later, after post-independence India, the railways got nationalised. We had a zone called South Central Zone, which was in combined Andhra Pradesh, but after the 2014 bifurcation, it's our bad, actually, it's the zone headquarters that belonged to Telangana.

Preserving Traditional Lost-wax Metal Craft in Bengal

On the outskirts of Bankura town, the village of Bikna Shilpa Danga continues to preserve the ancient art of Dhokra metal craft for generations. This enduring dedication to traditional craftsmanship has earned the village global acclaim for its intricate designs and immense heritage value. Passed down through generations of artisan families, Dhokra art relies on the ancient lost-wax casting technique. The entire process is remarkably labour-intensive and meticulous, often requiring several days of dedicated craftsmanship to bring a single, intricate piece to life.Goutam Karmakar, a seasoned artisan from Bikna Shilpa Danga, detailed the intricate stages of Dhokra casting, explaining that the process begins with the careful creation of a foundational soil structure. The craft starts with the soil base, followed by a structure made from a precise mixture of sand and wax. They further noted that the pricing of Dhokra items is primarily determined by the complexity and intricacy of the designs. Highlighting the craft's deep-rooted local presence, he mentioned that the art remains a staple

in the region, with a significant number of villagers regularly purchasing these traditional products to support the local artisanal economy.

Despite its immense artistic significance, the community faces persistent challenges, including fluctuating raw material costs, unpredictable weather patterns, and limited market access. Reflecting on the economic strain, Karmakar noted that the artisans are currently "suffering from significant losses" in the trade.Nevertheless, the Dhokra Shilpa of Bikna remains a vital symbol of artistic excellence. More than just a craft, it carries forward the unique cultural identity of Bankura, standing as one of West Bengal's most treasured and enduring handicrafts.

Keralam Keeps Alive Century-old Connection with Elephants

In the lush landscapes of Keralam, where misty hills meet temple towns, the relationship between humans and elephants goes far beyond coexistence. It is a bond shaped by faith, tradition, and emotion, one that has endured for centuries and continues to evolve with time. From the electrifying spectacle of Thrissur Pooram to the serene backdrops of Munnar, elephants are not just animals here; they are living symbols of cultural identity and grandeur.Towering over ten feet and adorned with golden ornaments, elephants become the centrepiece of Keralam's most iconic celebrations. At Thrissur Pooram , a festival more than two centuries old, thousands gather to witness a breathtaking blend of tradition, music, and devotion.The rhythmic beats of traditional ensembles such as chenda melam and panchavadyam echo through the air, creating an atmosphere that resonates deeply with the crowd.

It is popularly believed that Thrissur Pooram is a celebration where people from all castes and religions participate equally. The youth play a big role - they come, engage, and truly enjoy the experience.While elephants have long held a sacred place in Keralam's culture, their role has expanded with the rise of tourism. Visitors from across the world seek close encounters, feeding elephants, watching them bathe in rivers, or simply observing them in natural surroundings.For many local families, elephant tourism has become a vital

While elephants have long held a sacred place in Keralam's culture, their role has expanded with the rise of tourism. Visitors from across the world seek close encounters, feeding elephants, watching them bathe in rivers, or simply observing them in natural surroundings.

source of livelihood, sustaining traditions and supporting

mahouts who dedicate their lives to these animals.Seeing elephants up close was unforgettable. Feeding them and watching them bathe felt very special; it's something you don't experience every day.At the same time, this evolving relationship raises important questions about balancing tradition, economy, and animal welfare.At the heart of this story is the unique relationship between elephants and their caretakers. Each elephant is paired with a mahout, not just a trainer, but often a lifelong companion.This bond develops over years of shared routines, morning walks, river baths, and journeys through forest paths. It is guided not by control, but by understanding.The mahouts go into the forest and train elephants. The work is very hard, but it gives us happiness. Over time, they become like family. With elephants living up to 70 years, this companionship often spans decades, built on patience, respect, and mutual trust.From temple courtyards to quiet forest trails, the story of elephants in Keralam, and across South India, is ultimately a story of connection. It reflects a delicate balance between tradition and change, devotion and responsibility.In every festival procession and every silent walk through the forest, this bond reminds us that the relationship between humans and nature is not merely practical; it is deeply emotional. As Keralam moves forward, preserving this legacy while ensuring the well-being of its elephants will be key to sustaining this timeless coexistence.

EMRAAN HASHMI RETURNS WITH AWARAPAN 2, SET FOR AUGUST 14 RELEASE

The makers of the upcoming film 'Awarapan 2' have booked August 14, 2026 for its release. The film is the highly anticipated sequel to one of Hindi cinema's most beloved cult films.

On Tuesday, Bollywood actor Emraan Hashmi took to the Stories section of his Instagram. The film marks the reunion between filmmaker-producer Vishesh Bhatt and Emraan Hashmi.

On his decision to make 'Awarapan 2', producer Vishesh Bhatt said, "'Awarapan 2' is an emotion so large that it's meant for the big screen. It also presents exotic settings and large scale sequences but fundamentally it's built on our core principles of layered storytelling with powerful characters and rich music".

He further mentioned, "Emraan felt the angst of Shivam so deeply that he stepped into character in a heartbeat. And with Disha Patani joining us, the world of the film opened up to new possibilities".

Marking her first collaboration with Vishesh Films, Disha Patani brings a compelling new dimension to the world of 'Awarapan', 'Baaghi 2', 'MS Dhoni: The Untold Story' and 'Kalki 2898 AD' among her credits.

The film is directed by Nitin Kakkar, and written by Bilal Siddiqui, created and produced by Vishesh Bhatt. The film is currently in its final leg of production in Mumbai. 'Awarapan 2' releases in cinemas worldwide on August 14, 2026.

'Awarapan' has over the years gained a cult status. It is largely driven by its emotional depth and haunting music. Initially, underappreciated at the box-office, the film found a second life through television re-runs and digital platforms. Its melancholic tone, themes of redemption, and the brooding performance by Emraan Hashmi resonated strongly with audiences over time.

Songs like 'Tera Mera Rishta' and 'Toh Phir Aao' have become timeless classics. What sets 'Awarapan' apart is its sincerity, it doesn't chase mass appeal but instead builds a loyal following connected by the singular thread of cinematic emotions that sit right.

Ankita Lokhande says her *Pavitra Rishta story* has gracefully moved ahead

Television superstar Ankita Lokhande revisited her iconic show, 'Pavitra Rishta' during a recent AMA session on her social media account with her fans.

The actress called her journey as Archana during Pavitra Rishta as emotional and unforgettable, further stating that that story has 'gracefully moved forward' in her life.

Taking to her social media account, Ankita conducted an 'Ask Me Anything' session where her fans asked her about her career and personal life.

A fan wrote, "Me aaj bhi youtube pe pavitra rishta dekhti hu.. kya aap ye show firse karna chahoge."

Replying to this, Ankita said, "Pavitra Rishta ek emotion hai. It was one of the most beautiful journeys of my life, and that story has gracefully moved forward..

But if @ektarkapoor ma'am ever plans something, I know my heart will always say yes."

She shared a still of her character Archana from Pavitra Rishta as she responded to the question.

Another fan asked Ankita how she stays strong during tough times. The question read, "How do you keep yourself pushing up when nothing is going good or during bad days? Love to u ma'am."

To this, Ankita shared a picture from her recent visit to Mahakaal, and wrote, "Bad days come for everyone. I allow myself to feel, then I pray, trust my prayers, and remind myself that no phase is permanent.

Genelia Deshmukh calls Nauvari Saree a piece of her roots

Bollywood actress Genelia Deshmukh, who wore a bespoke Nauvari saree at the trailer launch of her upcoming historical action drama Raja Shivaji, said that the nine-yard-wonder is a little piece of her roots, something she carries with her wherever she goes.

Sharing a string of pictures of herself dressed elegantly in a soft pink Nauvari saree in Ahimsa silk fabric on the photo-posting application, Genelia said that the saree reminds her that strength can be gentle.

"Wore something that felt close to me - A Nauvari saree. A little piece of my roots, something I carry with me wherever I go. The Himroo weave and Ahimsa silk fabric makes it so mindful and so so special. And this soft pink... just reminds me that strength can be gentle, and grace can be so powerful," she wrote as the caption.

The trailer of Raja Shivaji, directed by her husband Riteish Deshmukh, was unveiled on Monday, which showcases the journey of a young Chhatrapati Shivaji Maharaj, his life, and his battles against the Mughals in his quest to establish swaraj. Riteish will be seen essaying the titular role, while Genelia plays his wife, Saibai.

Imtiaz Ali: those who forget history are bound to repeat it

Indian auteur Imtiaz Ali, who is gearing up for the release of his upcoming film 'Main Vapas Aaunga', believes that one should learn from history to not repeat the same mistakes.

The director spoke with IANS during the promotions of 'Main Vapas Aaunga', and shared that given human beings and the world is cyclical in nature, there's a certain inevitability to the scheme of things. The auteur said that in such a scenario, one must remember the past and not forget it.

"There is an inevitability. As someone says that if one who forgets history, he is condemned to repeat it. And so one must take lessons and be better, hopefully. And oftentimes, one is not, unfortunately. If battles happen again and again, if the same cruelty of history happens cyclically, then people like you and me also arise and put some honey into the bitterness".

He further mentioned, "That is our job as artistes. To bring hope, point towards the silver lining when there are clouds. So this is also our attempt. And how do we do it? We do it by talking about stories, which connect you to your own heart, the stories that open your heart. But a film is a film, a story is a story. Similarly, 'Main Vapas Aaunga' is a simple story of partition time, remembered 78 years later".

'Main Vapas Aaunga' marks the filmmaker's 2nd collaboration with Diljit Dosanjh, and is set in the era after the Partition of India, which is the largest mass migration in human history. The event, which led to the carving out of Pakistan from India, led to displacement of an estimated 14 to 18 million people.

Yami Gautam gets nostalgic as Vicky Donor turns 14

Bollywood star Yami Gautam turned nostalgic as her debut film Vicky Donor completed 14 years on April 20. Taking to her social media account, the actress re-shared a video montage originally posted by actor Ayushmann Khurrana.

The montage featured a compilation of all the highlight moments from the film. From iconic dialogues and impactful scenes to popular songs, the video montage captured the essence of the movie.

Reacting to the post, Yami wrote, *"What !! 14 years already," further adding an emotional face and red heart emoticon.

The actress, through her caption expressed disbelief at how quickly time has passed.

Talking about the movie, Vicky Donor, released in 2012, and was directed by Shoojit Sircar The movie starred Ayushmann Khurrana, Yami Gautam, and Anu Kapoor in pivotal roles. The film revolved around the unconventional subject of sperm donation, and handled with humor and sensitivity. The movie, back then, went on to become both a critical and commercial success and had also marked Yami Gautam's Bollywood debut.

"Gundyan Mein Basanti"

a dance track from Masoom Sharma's most awaited film licence out now!

After receiving a an overwhelming response to the tracks "Gach Laage" and "Licence Ka Asla," the makers of the much-anticipated Haryanvi film Licence, starring superstar Masoom Sharma, have now unveiled a high-energy dance number titled "Gundyan Mein Basanti. The song features the electrifying presence of popular dancing sensation Gori Nagori, alongside Masoom Sharma and seasoned actor Yashpal Sharma. Packed with vibrant visuals and foot-tapping choreography, "Gundyan Mein Basanti" promises to be a crowd-puller, adding to the growing excitement around the film.

Bringing together a strong and dynamic creative team, "Gundyan Mein Basanti" stands out as a power-packed addition to the film's music album. The track is composed by Masoom Sharma, who also has sung the song alongside the immensely talented Narender Bhagana and Swara Verma. The lyrics, penned by Amar Karnawal, while the music direction by Pinna Music enhances

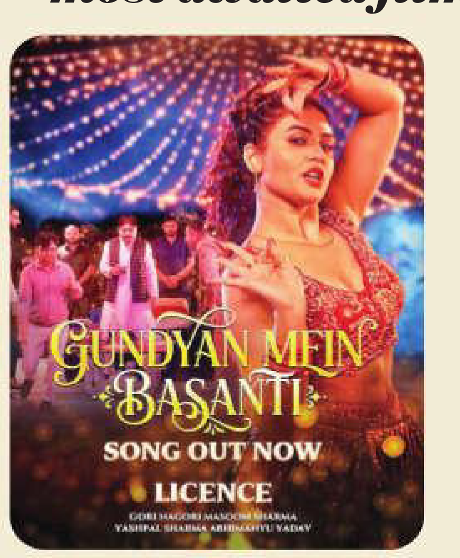

its overall appeal with pulsating beats and a contemporary sound.

Actor, Composer, Singer Masoom Sharma added," Gundyan Mein Basanti' is a track that truly represents the energy and attitude of our film Licence. We wanted to create something that instantly connects with the audience and makes them want to get up and dance. The response we've received for the previous songs has been overwhelming, I am confident that fans of Haryanvi music will really enjoy this track and give it as much love as they've given to our earlier releases."

Singer Swara Verma also shared her excitement, saying, "'Gundyan Mein Basanti' is a vibrant and energetic song that allowed me to explore a different vocal texture. It was exciting to be part of a track that is so lively and rooted in Haryanvi culture. Collaborating with Masoom Sharma and the entire team made the experience even more special, and I hope listeners feel that energy when they hear the song." Adding to this, singer Narender Bhagana said, "'Gundyan Mein Basanti' is a full-on energetic track that fans are going to love instantly."

Lyricist Amar Karnawal added, "'The idea was to keep the lyrics bold, earthy, and relatable so that the audience can instantly connect with the song's vibe.'"

Music director Pinna Music shared, "'We wanted to create a sound that feels powerful, rooted, and instantly catchy, and 'Gundyan Mein Basanti' perfectly captures that spirit.'" With its infectious energy and strong creative backing, "Gundyan Mein Basanti" is poised to become a favourite among Haryanvi music lovers.

कानून-व्यवस्था को कसने और पुलिसिंग में नई धार लाने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने बड़ा दांव

बुलन्द मंज़िल

बरेली। कानून-व्यवस्था को कसने और पुलिसिंग में नई धार लाने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने बड़ा दांव चला है। एक झटके में 8 इंस्पेक्टर और 106 दरोगाओं के कार्यक्षेत्र बदल दिए गए। साथ ही भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई करते हुए कई पुलिसकर्मियों को लाइनहाजिर कर दिया गया है।

तबादलों में वरुण कुमार को क्योलड़िया, सुरेंद्र कुमार को सुभाषनगर, लव सिरोही को नवाबगंज, राजबली को भोजीपुरा और नरेश कश्यप को विशारतगंज में इंस्पेक्टर क्राइम बनाया गया है। वहीं जसवीर बालियान को सीओ तृतीय, विपिन कुमार को सीओ मीरगंज और राजेश कुमार को सीओ हाईवे कार्यालय भेजा गया है। इस बदलाव से कई थानों की कार्यशैली में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

थानों में नई तैनाती, एसएसआई स्तर पर भी बड़े बदलाव किए गए हैं। श्रीनिवास को मीरगंज, सतीश कुमार को शाही, वीर सिंह को कोतवाली, धर्मेंद्र विश्नोई को इज्जतनगर, जितेंद्र कुमार को सीबीगंज, विपिन कुमार को देवरनियां और नवदीप कुमार को सुभाषनगर की जिम्मेदारी दी गई है। मुकेश कुमार को महिला थाना, श्रीपाल को सिरौली, कृपाल को भुता, आनंद प्रकाश को बिथरी चैनपुर, उमेश चंद्र को बहेड़ी, धर्मेंद्र को शीशगढ़ और सुनील कुमार को फरीदपुर का एसएसआई बनाया गया है।

चौकी प्रभारियों की भी जमकर अदला-बदली चौकी स्तर पर भी बड़े पैमाने पर फेरबदल हुआ है। जाकिर अली को गढ़ी चौकी, मयंक भारद्वाज को सेटेलाइट चौकी, दयानंद शर्मा को फरीदपुर, मुनेंद्र सिंह को जगतपुर, कुशलपाल को जोगी नवादा और अमित कुमार को शाही थाना भेजा गया है। विजयपाल को कैंट, पवन कुमार को धौराटांडा, राहुल शर्मा को रिठौरा, वैभव गुप्ता को स्टेशन चौकी और गौरव अत्री को देवरनिया चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। सौरभ यादव को क्योलड़िया, अक्षय त्यागी को सद्भावना प्रेमनगर और वीरेश को नवाबपुरा सिरौली चौकी का प्रभारी बनाया गया है। महिला थाना से लेकर देहात तक नई पोस्टिंग पूजा गोस्वामी को थाना भमोरा, आदेश कुमार को फतेहगंज पश्चिमी चौकी, अनूप सिंह को कुतुबखाना, राजीव शर्मा को चौराहा कोतवाली, नितिन राणा को रुहेलखंड और प्रमोद को कानूनगोयान चौकी भेजा गया है। नितेश चौधरी को कुंडरा कोठी, चेतन सिंह को सीबीगंज थाना, बॉबी कुमार को कस्बा बहेड़ी, त्रिवेंद्र कुमार को लाल फाटक और नवनीत को बैरियर वन इज्जतनगर चौकी का प्रभारी बनाया गया है। सेटेलाइट चौकी प्रभारी विनय बहादुर को हटाकर भोजीपुरा थाना भेज दिया गया है। उनकी जगह मयंक भारद्वाज को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कार्रवाई हाल ही में एक नशेड़ी से विवाद के बाद सामने आई थी।

वसूली में फंसे किला चौकी प्रभारी लाइनहाजिर खनन से जुड़े वाहनों से वसूली के आरोप में किला चौकी प्रभारी प्रणव श्रोतिया को जांच में दोषी पाए जाने पर लाइनहाजिर कर दिया गया है। उनके साथ दो सिपाहियों पर भी कार्रवाई हुई है। इसके अलावा भोजीपुरा के दरोगा संदेश यादव और नरायणगला चौकी बहेड़ी के प्रभारी राजेश कुमार सिंह को भी लाइन भेज दिया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य की इस कार्रवाई को पुलिस महकमे में सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। साफ है कि अब फील्ड में ढिलाई या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी, जबकि सक्रिय और जवाबदेह पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जाएगी।

ओवरब्रिज पर भीषण हादसा, कार की टक्कर से ट्रक पलटा

बुलन्द मंज़िल

बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र में ओवरब्रिज पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार और लापरवाही ने बड़ा हादसा करा दिया। कोल्हापुर (महाराष्ट्र) से ट्रैक्टर पार्ट्स लेकर रुद्रपुर (उत्तराखंड) जा रहा एक ट्रक कार की टक्कर से अनियंत्रित होकर ओवरब्रिज की रेलिंग तोड़ते हुए पलट गया। हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि पीछे से आ रही कार ने ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक सीधे रेलिंग तोड़ते हुए पलट गया। हादसे में ट्रक चालक भूरा सिंह (निवासी टूंडला, फिरोजाबाद) बाल-बाल बच गया।

दोनों वाहन क्षतिग्रस्त, चालक फरार

हादसे के बाद कार और ट्रक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। कार चालक तालीम पुत्र आरिफ (निवासी पीपलसाना चौधरी) मौके से फरार हो गया।

नाबालिग नहीं, बालिग निकला चालक

पहले मिली जानकारी में चालक के नाबालिग होने की बात सामने आई थी, लेकिन पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि चालक बालिग है। इस संबंध में इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि मौके पर दरोगा को भेजकर जांच कराई गई, जिसमें चालक के बालिग होने की पुष्टि हुई है।

पुलिस ने लिया एक्शन

पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच की जा रही है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। उसके पिता आरिफ को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

गनीमतः टला बड़ा हादसा

इतनी भीषण टक्कर के बावजूद किसी के घायल न होने से बड़ा हादसा टल गया। ओवरब्रिज की रेलिंग टूटने से कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

फर्जी वर्दी में घूम रहा लाड़ला 420 गिरफ्तार, चौकी से दोस्ती भारी पड़ी, वायरल वीडियो ने खोली पोल, मुकदमा दर्ज

बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र में पुलिस से नजदीकियां बनाकर खुद को ह्वासिपाहीह्व बताने वाला एक शातिर जालसाज आखिरकार कानून के शिकंजे में आ गया। फर्जी वर्दी पहनकर इलाके में धौंस जमाने वाले आरोपी हसन खान की करतूत तब उजागर हुई, जब उसका अभद्र वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद हिन्दू संगठनों के दबाव और अफसरों की सख्ती ने पुलिस को कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया। आरोपी हसन खान कंजादास गांव का रहने वाला है और बैरियर-1 चौकी क्षेत्र में अक्सर पुलिसकर्मियों के बीच नजर आता था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उसकी पुलिस से इतनी नजदीकी थी कि लोग उसे असली सिपाही समझ बैठते थे। चर्चा है कि वह कई बार खुद को एसओजी का सदस्य बताकर लोगों पर रौब झाड़ता था। चौकी पुलिस के साथ उसकी ह्वसेटिंगह्व लंबे समय से चल रही थी।

शादी में की अभद्रता, वीडियो बना सबूत रविवार रात हसन खान ने हद पार कर दी। एक शादी समारोह में डांस कर रहीं दूसरे समुदाय की महिलाओं पर उसने अभद्र टिप्पणियां कीं। इतना ही नहीं, कार चलाते हुए उसने खुद ही इसका वीडियो बनाया और अपमानजनक बातें रिकॉर्ड करता रहा। वीडियो में एक दरोगा के सामने भी वह बेफिक्र नजर आया और याराना अंदाज में वहां से निकल गया। वीडियो वायरल होते ही हिन्दू संगठनों में गरिमा को ठेस पहुंचाने और आक्रोश फैल गया। हिन्दू जागरण मंच के यूथ लीडर हिमांशु पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा कर कार्रवाई की मांग उठाई। मामला तूल पकड़ते ही अफसरों ने सख्त रुख अपनाया और तुरंत कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए। पुलिस ने ही पहुंचाया सलाखों के पीछे अफसरों के निर्देश मिलते ही वही पुलिस हरकत में आई, जिससे आरोपी की नजदीकियां थीं। आनन-फानन में टीम ने हसन खान को तलाश कर थाने लाकर गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने और फर्जी वर्दी पहनकर खुद को पुलिसकर्मी बताने का केस दर्ज किया गया है। सीओ थर्ड पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह फर्जी तरीके से पुलिस वर्दी पहनकर खुद को सिपाही बताता था। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

खेत में मिला विवाहिता का शव, हत्या का आरोप चार बच्चों की मां की मौत से सनसनी

बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना सुभाष नगर क्षेत्र में मंगलवार को एक विवाहिता का शव खेत में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। 30 वर्षीय महिला की मौत को लेकर मायके पक्ष ने सीधे तौर पर पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है, जिससे मामला और भी गंभीर हो गया है। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के वरीया नारायण नगला निवासी अजय हाउस पर पोस्टमार्टम हाउस पर बताया कि उसकी बहन गीता की शादी करीब 10 साल पहले देवरनिया थाना क्षेत्र के शरीफ नगर निवासी देवेंद्र के साथ हुई थी। अजय के मुताबिक, बीती शाम देवेंद्र ने फोन कर सूचना दी कि गीता का शव खेत में पड़ा है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो खेत में गीता का शव पड़ा मिला, जिसे देखकर सभी सन्न रह गए।

गला घोंटकर हत्या की आशंका

परिजनों का कहना है कि शव की हालत देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि गीता की गला घोंटकर हत्या की गई है। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप

मायके पक्ष ने गीता की मौत को संदिग्ध बताते हुए पति देवेंद्र और उसके परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बताया जा रहा है कि शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच विवाद होते रहते थे।

चार मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

मृतका गीता अपने पीछे चार छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक का माहौल है। यह मामला घरेलू विवाद से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है, लेकिन हत्या या आत्महत्या इसका सच अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा।

प्राथमिक विद्यालय चन्दपुर काजियान में शिक्षक संकुल बैठक संपन्न, शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर हुआ मंथन

बुलन्द मंज़िल

बरेली। क्यारा ब्लॉक के चन्?दपुर काजियान गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक संकुल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, इस बैठक में जोगीठेर न्याय पंचायत के सभी विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित एजेन्डों पर विचार-विमर्श कर उन्हें प्रभावी रूप से लागू करना रहा। बैठक की शुरुआत शिक्षा विभाग के निर्देशों की समीक्षा से हुई, जिसमें निपुण भारत मिशन, छात्र उपस्थिति, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान शिक्षकों ने कक्षा शिक्षण को और अधिक रोचक और गतिविधि आधारित बनाने पर जोर दिया, ताकि बच्चों की सीखने की क्षमता में सुधार हो सके। इसके अलावा विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने, ड्रॉपआउट छात्रों को पुनः विद्यालय से जोड़ने तथा नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी विशेष चर्चा की गई। शिक्षकों ने अपने-अपने विद्यालयों में आ रही समस्याओं को साझा किया, जिनमें संसाधनों की कमी, अभिभावकों की उदासीनता और गर्मी के कारण बच्चों की उपस्थिति प्रभावित होना प्रमुख रहा। इन समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक रणनीति बनाने पर सहमति बनी। बैठक में डिजिटल शिक्षा, टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) के उपयोग, तथा मासिक मूल्यांकन प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की गई। अंत में संकुल प्रभारी मोहन सिंह ने सभी शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे विभागीय निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रयासरत रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से शशि वाला जौहरी, लाल बहादुर गंगवार, राखी सक्सेना, नलिन रस्तोगी, मुकेश कुमार, दीपशिखा जौहरी, नैन्सी अग्रवाल आदि शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक उपस्थित रहे। बैठक में सभी शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग करने को लेकर प्राथमिक विद्यालय चन्दपुर काजियान की प्रधानाध्यापक डॉक्टर नीतू अग्रवाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

इंस्टाग्राम पर महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी कर वीडियो वायरल करने वाला दबोचा, पुलिस की सख्त कार्रवाइ

बरेली। सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का मामला सामने आने के बाद इज्जतनगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आरोपी इंस्टाग्राम आईडी के जरिए महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करता था और उसका वीडियो बनाकर वायरल करता था, जिससे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल था।

शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस मामले की सूचना मिलते ही थाना इज्जतनगर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच के दौरान आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस द्वारा उससे पूछताछ की जा रही है और उसके मोबाइल व सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया का दुरुपयोग नहीं होगा बर्दाश्त इस पूरे मामले में अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ इस तरह की अभद्रता किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि आरोपी पहले भी इस तरह की हरकतों में शामिल रहा हो सकता है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट की गहन जांच की जा रही है, जिससे अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है।

सीबीगंज क्षेत्र में लाउडस्पीकर विवाद गरमाया, बजरंग दल ने दी आंदोलन की चेतावनी

बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र के मथुरापुर स्थित मदरसे में 24 अप्रैल से निकल रहे जुलूस के लिए लाउडस्पीकर लगाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जुलूस के उपरांत मदरसा पक्ष द्वारा सड़क किनारे पेड़ों और आसपास के मकानों पर लाउडस्पीकर लगाए गए हैं, जिसे तेज आवाज में बजाया जा रहा है।

... (as printed): लगाए गए हैं, जिसे स्वर तेज हो गए हैं। इस मुद्दे पर राष्ट्रीय बजरंग दल बरेली के जिला अध्यक्ष रोहित गंगवार ने कड़ा विरोध जताया है। उनका कहना है कि इस तरह की ह्वाई परंपराह्व बिना प्रशासनिक अनुमति के शुरू की गई है, जिससे क्षेत्र में असुविधा और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि लगाए गए सभी लाउडस्पीकर आज ही हटाए जाएं। रोहित गंगवार ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो राष्ट्रीय बजरंग दल सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए निर्धारित नियमों का पालन आवश्यक है और किसी भी प्रकार की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले की जानकारी ली जा रही है और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि धार्मिक आयोजनों के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखना बेहद जरूरी है और किसी भी विवाद को संवाद और प्रशासनिक हस्तक्षेप से सुलझाया जाना चाहिए। फिलहाल पूरे मामले पर प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार है।

बंदरों के हमले से गिरकर घायल बुजुर्ग की मौत, इलाज के दौरान तोड़ा दम

बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र की आशुतोष सिटी में बंदरों के आतंक ने एक और जान ले ली। छत पर बंदरों को भगाने गए बुजुर्ग को बंदरों के झुंड ने दौड़ा लिया, जिससे वह सीढ़ियों से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। कई दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतक के भाई योगेंद्र ने पोस्टमार्टम हाउस पर बताया कि 60 वर्षीय पोपेंद्र वीर सिंह शनिवार सुबह अपने घर की छत पर बंदरों को भगाने गए थे। इसी दौरान अचानक बंदरों का झुंड आक्रामक हो गया और उन्हें दौड़ा लिया। जान बचाने के प्रयास में वह सीढ़ियों पर गिर पड़े, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लग गई।

दिल्ली रेफर, लेकिन नहीं बच सकी जान

घायल अवस्था में परिजनों ने उन्हें तुरंत बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली के हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिवार में मचा कोहराम

मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक की पत्नी अलका रानी का रो-रोकर बुरा हाल है। पोपेंद्र वीर सिंह अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी को छोड़ गए हैं। वह नवाबगंज में मेडिकल स्टोर चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे।

क्षेत्र में पहले भी हो चुके हैं हादसे

स्थानीय लोगों का कहना है कि आशुतोष सिटी और आसपास के इलाकों में बंदरों का आतंक लंबे समय से बना हुआ है। कई बार लोग हमले और गिरने से घायल हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पालतू कुत्ते को जहर पिलाकर खुद भी निगला सल्फास, बंद कमरे में मिले दोनों के शव

बुलन्द मंज़िल

बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने किराए के मकान में बंद कमरे के भीतर सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। हैरानी की बात यह रही कि उसने अपने पालतू कुत्ते को भी जहर देकर मार डाला। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश चंद्र गौतम के मुताबिक धीरज चंदन ने शाम करीब सवा पांच बजे सूचना दी कि उनका मौसेरा भाई निखिल अरोरा (33) डेलापीर में किराए के मकान में रहता था। वह रोजाना उनके घर खाना खाने आता था, लेकिन उस दिन न आने और फोन न उठाने पर परिजन उसके कमरे पर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद था और काफी आवाज देने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। सूचना पर पहुंचे कांस्टेबल सौरभ कुमार ने वीडियो बनाते हुए दरवाजा तोड़ा, जहां अंदर निखिल मृत अवस्था में पड़ा मिला। कमरे से मिले सल्फास के सुराग, छाप में जहर मिलाने की आशंका पुलिस ने फील्ड यूनिट को बुलाकर जांच शुरू की। कमरे की तलाशी में छाछ के दो सील पैकेट, एक खाली पैकेट और सल्फास की खाली डिब्बी बरामद हुई। पास में ही युवक का पालतू कुत्ता भी मृत मिला। शुरुआती जांच में सामने आया है कि निखिल ने छाछ में सल्फास मिलाकर खुद सेवन किया और कुत्ते को भी वही पिला दिया।

कुत्ते से था गहरा लगाव, उसी के लिए उठाया खौफनाक कदम

पड़ोसियों के अनुसार निखिल अपने पालतू कुत्ते से बेहद लगाव रखता था। आशंका जताई जा रही है कि अपनी मौत के बाद कुत्ते के भविष्य को लेकर चिंतित होकर उसने उसे भी जहर दे दिया। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।